YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 42 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, रविवार 02 मार्च 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सरकारी स्कूल में एडमीशन ले सकेंगे रोहिंग्या शरणार्थी बच्चे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि रोहिंग्या बच्चे सरकारी स्कूलों में एडमीशन ले सकते हैं। एडमीशन देने से मना किए जाने पर वे हाईकोर्ट जा सकते हैं। कोर्ट ने यह आदेश यूएनएच आरसी कार्ड रखने वाले शरणार्थी रोहिंग्या बच्चों के लिए दिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर

सिंह की बेंच ने रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव नाम के एनजीओ की याचिका पर आदेश दिया है। याचिका में कहा गया था कि रोहिंग्या शरणार्थियों के पास आधार कार्ड न होने की वजह से उन्हें ये सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। वे शरणार्थी हैं, उनके पास आधार कार्ड नहीं हो सकते। उनके पास यूएनएचआरसी कार्ड हैं। सुप्रीम कोर्ट 12

फरवरी को भी इसी तरह की एक याचिका पर ऐसी ही आदेश दे चुका है।

तब कोर्ट ने कहा था कि शिक्षा हासिल करने में किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को शहर में रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकारी स्कूलों और अस्पताल की सुविधा दिए जाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। रोहिंग्याओं की मदद करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई के आदेश गृह मंत्री अमित शाह ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को भारत में घुसने में मदद करने वाले नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शाह ने शुक्रवार को दिल्ली के लॉ एंड ऑर्डर पर हुई समीक्षा बैठक में यह आदेश दिया।

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द

बहस के बाद व्हाइट हाउस से निकाले गए जेलेंस्की

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बहस के बाद व्हाइट हाउस से बाहर निकाल दिया गया। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार को करीब 10 मिनट तक तीखी बहस हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि बहस के बाद यूक्रेन के डेलिगेट्स ओवल ऑफिस से निकलकर दूसरे कमरे में चले गए थे। अमेरिकी टीम वहीं रुकी रही। इस दौरान ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति वेंस, विदेश मंत्री रुबियो और एनएसए माइक वाल्ट्ज से बातचीत की। चर्चा के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने माइक वाल्ट्ज और रुबियो से कहा कि वे जाकर खुद जेलेंस्की को कह दें कि उनके जाने का वक्त हो गया है। ये दोनों अधिकारी वहां पहुंचे तो जेलेंस्की ने उनसे कहा कि वे चीजों को ठीक कर सकते हैं। जेलेंस्की ने फिर से बातचीत करने की इच्छा जाहिर की,लेकिन मौका नहीं दिया।

मोदी बोले | अंग्रेजों के बनाए एक कानून पर खामोश रहे पॉश इलाके के यह लोग

लुटियन जमात और खान मार्केट गैंग से मैं हैरान हूं

- शादी में 10 से ज्यादा लोग नाचें तो दूल्हे समेत गिरफ्तारी

ऐसे कानून हमने हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अंग्रेजों के बनाए एक कानून पर दिल्ली के पॉश इलाके में रहने वाले लोग क्यों खामोश रहे। अंग्रेजों का बनाया ये कानून हमारी सरकार ने हटाया। पीएम ने ये बातें एनएक्सटी के एक कार्यक्रम में कहीं। मोदी ने कहा कि एक कानून था- ड्रामेटिक परफॉर्मेंस एक्ट। ये कानून अंग्रेजों ने 150 साल पहले बनाया था। अंग्रेज चाहते थे कि थिएटर और ड्रामे का इस्तेमाल उनके खिलाफ न हो। इस कानून में प्रावधान था कि सार्वजनिक जगह पर 10 लोग डांस करते मिल जाएं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। देश

के आजाद होने के 75 साल तक यह कानून चलता रहा। यानी शादी के दौरान 10 लोग डांस कर रहे हों, तो पुलिस उन्हें अरेस्ट कर सकती थी। ये कानून हमारी सरकार ने हटाया। 70 साल तक हमने कानून झेला। मुझे उस समय की सरकारों के बारे में कुछ नहीं कहना, लेकिन मुझे लुटियंस जमात और खान मार्केट गैंग पर आश्चर्य होता है।

- प्रयागराज में एकता का महाकुंभ संपन्न दुनिया दंग रह गई

26 फरवरी को प्रयागराज में एकता का महाकुंभ संपन्न हुआ। दुनिया हैरान है कि आखिर करोड़ों लोग एक अस्थायी शहर में सिर्फ पवित्र स्नान के लिए कैसे आ सकते हैं। भारत के आयोजन और नवाचार कौशल को पूरी दुनिया देख रही है और इसे विस्तार से जानना चाहती है। पीएम मोदी ने अपनी हालिया फ्रांस यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि भारत अब दुनिया के बड़े समिट्स की अगुआई कर रहा है। मुझे फ्रांस में एआई समिट में शामिल होने का मौका मिला। भारत इस समिट का को-होस्ट था। अब जल्द ही भारत इसे आयोजित करेगा। भारत ने जी 20 की अध्यक्षता करते हुए इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर का खाका पेश किया।

एनकाउंटर में 2 नक्सली ढेर

बड़े नक्सल लीडर्स से मुठभेड़

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें एक महिला और एक पुरुष नक्सली है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। मारे गए नक्सलियों को मिलाकर 2025 में 83 नक्सली ढेर हुए हैं। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के

- सुकमा में 500 जवानों ने चारों तरफ से घेरा,रुक-रुककर चल रही फायरिंग

मुताबिक शनिवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बड़े लीडर्स से मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। बताया जा रहा है कि किस्टाराम इलाके में कोबरा, डीआरजी और जिला बल के करीब 500 जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इसके पहले जवानों ने बीजापुर में 9 फरवरी को जवानों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया था। सभी 31 के शव रिकवर कर लिए गए थे। मुठभेड़ में 2 जवान भी शहीद हुए थे।

108 हवन कुंड, 2100 पंडित, 1500 कन्याओं के साथ कलश यात्रा

- बिहार के दरभंगा में सबसे बड़ा महायज्ञ, बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी होंगे शामिल

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के लगमा गांव में दुनिया का सबसे बड़ा यज्ञ हो रहा है। 1 से 16 मार्च तक लक्षचंडी महायज्ञ और अति विष्णु यज्ञ का आयोजन हो रहा है। इस यज्ञ में 2100 पंडित शामिल होंगे और बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी 11 से 13 मार्च तक उपस्थित रहेंगे। यह यज्ञ विश्व कल्याण के लिए किया जा रहा है। आज 1500 कन्याओं ने कलश यात्रा निकाली। इसी के साथ यज्ञ शुरू हो गया। यहां पर 108 हवन कुंड बनाए गए हैं। दरभंगा के तारडीह प्रखंड के लगमा गांव में स्थित ब्रह्मचर्य आश्रम में भव्य धार्मिक आयोजन हो रहा है। 1 मार्च से 16 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन में दो महायज्ञ होंगे, लक्षचंडी महायज्ञ और अति विष्णु महायज्ञ।

अभिषेक सड़ा हुआ आलू,उन्हें भाजपा में क्यों लेना चाहिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने सड़ा हुआ आलू बताया है। मजूमदार ने शनिवार को कहा- अभिषेक बनर्जी सड़ा हुआ आलू है, उसे बीजेपी में क्यों लेना चाहिए। मजूमदार ने कहा- अभिषेक और ममता बनर्जी में कोई अंतर नहीं है। वह चाहे किसी भी तरह का भ्रष्टाचार करें, ममता बनर्जी सब कुछ अच्छी तरह से जानती हैं।

भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कॉफी एक्सपोर्टर बना

भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कॉफी का एक्सपोर्टर बन गया है। दशकों तक दुनिया भारत को अपना बैक ऑफिस करती है, लेकिन आज भारत न्यू फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा है। भारत सिर्फ वर्कफोर्स नहीं, वर्ल्ड फोर्स है। पीएम मोदी ने कहा कि एआई आने वाले समय में करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। एआई के जरिए हेल्थ, एजुकेशन और एग्रीकल्चर में जबर्दस्त सुधार लाया जा सकता है।

कर्नाटक में सभी उत्पादों पर अब कन्नड़ लिखना जरूरी

सर्कुलर जारी, सरकारी-प्राइवेट दोनों विभागों में लागू होगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने सरकारी ऑफिस, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। इस कदम का मकसद प्रशासन, शिक्षा और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देना है। सरकार ने इस संबंध में 15 फरवरी 2025 को सर्कुलर जारी किया था। सरकार के मुताबिक यह फैसला कन्नड़ लैंग्वेज कॉम्प्रीहेंसिव डेवलपमेंट एक्ट के तहत लिया गया है। ये 2022 में लागू किया गया था, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी होगा। इसका उद्देश्य कन्नड़ भाषा का व्यापक विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर अवसर देना है। कर्नाटक सरकार के नियम: सभी सरकारी ऑफिस, स्कूलों, कॉलेजों और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी। सार्वजनिक साइनबोर्ड, एडवर्टाइजमेंट और वर्क प्लेस पर कन्नड़ भाषा बोली-लिखी जाएगी। सामानों की पैकेजिंग पर नाम और जानकारी कन्नड़ में छापना अनिवार्य होगा। यह नियम सरकारी और प्राइवेट दोनों संस्थानों के लिए होगा। सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई इंस्टीट्यूट या व्यक्ति इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को इस नियम के सख्ती से पालन की निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं।

दुखद खबर | हिमस्खलन में सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

चमोली एवलांच में चली गई 4 मजदूरों की जान

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में हिमस्खलन में फंसे 4 मजदूरों की मौत हो गई है। कुल 57 में से 48 को निकाल लिया गया था। बाकी के 9 को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था, जिसमें से 4 ने दम तोड़ दिया। कल सुबह यहां हुए हादसे के बाद से सेना, एयरफोर्स, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया हुआ है। बद्रीनाथ के आगे माणा गांव के पास कल सुबह हिमस्खलन की यह घटना हुई। आपदा में कुल 57 लोगों के फंसने की बात सामने आई थी। कई लोगों को कल ही बचा लिया गया था और कई को आज निकाला गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बाहर निकाले गए लोगों में से 4 ने दम तोड़ दिया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी आपदा प्रभावित इलाके का जायजा लिया। हेलीकॉप्टर से सर्वे के साथ ही उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात भी की। पीएम ने धामी से बचाव अभियान की जानकारी भी ली।

शिकायतकर्ता महिला इसलिए जरूरी नहीं हर बात सच हो

केरल एचसी बोला- कई बार झूठे केस आत्मसम्मान पर दाग लगा देते हैं

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि यौन अपराधों सहित आपराधिक मामलों में यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि शिकायतकर्ता महिला है तो उसकी कही गई हर बात सच हो क्योंकि आजकल ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति है। जस्टिस पी वी कुन्हीकृष्णन ने यह टिप्पणी एक पूर्व महिला कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी को अग्रिम जमानत देते हुए की। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में, पुलिस ने ठीक से जांच नहीं की। आरोपी ने कहा था कि, महिला ने उसके साथ गाली गलौच की थी। दर्ज मामले की एकतरफा जांच नहीं की जा सकती।

महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब विपक्ष के मुंह पर तमाचा

केशव बोले-अखिलेश हमारे सलाहकार नहीं, सपा-कांग्रेस दलितों की दुश्मन पार्टी

झांसी (एजेंसी)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा, जिन्होंने महाकुंभ पर सवाल उठाए, उमड़े जनसैलाब ने उनके मुंह पर तमाचा मारा है। केशव झांसी के सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। महाकुंभ भगदड़ में मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने के अखिलेश यादव के सुझाव पर डिप्टी सीएम ने कहा, अखिलेश हमारे सलाहकार नहीं हैं। सरकार जानती है कि क्या और कैसे करना है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो सबको साथ लेकर चलती है। उन्होंने महाकुंभ में सरकार की व्यवस्था को बेहतर बताया। दरअसल, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को दतिया में मां पीतांबरा पीठ के दर्शन किए। लौटते समय झांसी पहुंचे। सर्किट हाउस में भाजपा नेताओं से करीब एक घंटे मीटिंग की। फिर पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मिले। मंडल के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं की समीक्षा की। आस्था पर सवाल उठाना सबसे बड़ा पाप है। प्रयागराज का महाकुंभ भव्य और अलौकिक रहा।

सुरक्षा समीक्षा बैठक | गृहमंत्री अमित शाह का सख्त आदेश

8 मार्च तक मणिपुर की बंद सभी सड़कें खोलें

गृहमंत्री ने कहा-

- नशे के नेक्सस को जड़ से खत्म करें

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मणिपुर मामले पर चर्चा करने के लिए अहर बैठक बुलाई। यह समीक्षा बैठक गृह मंत्रालय में हुई। मणिपुर की सुरक्षा को लेकर ये समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री अमित शाह ने की। अमित शाह ने इस बैठक में

आदेश दिया किया राज्य की सभी सड़कों पर 8 मार्च से आवाजाही चालू हो। सभी बंद रास्ते खोले जाएं। वहीं शाह ने आदेश दिया कि नशे में लिफ्ट नेटवर्क को ध्वस्थ किया जाए। शाह ने बैठक में सख्त आदेश देते हुए कहा कि अवरोध उत्पन्न करने वालो पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जबरन वसूली करने वालों को भी बख्शा नहीं जाए। उन्होंने अंतराराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने का भी आदेश दिया। गृह मंत्री ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। राज्य में कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी गई। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मई 2023 से पहले जैसी स्थिति बहाल करने और विभिन्न समूहों के पास मौजूद अवैध एवं लूटे गए हथियार पुलिस को सौंपे जाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला तथा मणिपुर सरकार, सेना और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। मई 2023 से इंफाल घाटी में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा जारी है।

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

ललित गर्ग

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है।

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धमार्चार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि

दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दशार्ती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किसके लिए गोल्ड कार्ड

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (उङ्कल्लं'ि ळि१४स्र) के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम-धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है। कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है। अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है। पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है? अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इकट्ठा किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे। दूसरी बात जो ट्रंप ने प्रतिभावान विदेशी छात्रों के बारे में कही जो अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद नागरिकता नहीं मिलने के कारण अपने मूल देश में लौटकर व्यापार करते हैं और करोड़ों में खेलने लगते हैं। सवाल है कि कोई अमेरिकी कंपनी 50 लाख डॉलर देकर ऐसे प्रतिभावान उद्योगों को नौकरी देने में रु चि क्यों दिखाएगी। इसका कोई ठोस तर्क सामने नहीं है। बहरहाल, जनता की गाढ़ी कमाई को अमेरिका में ले जाकर बसने के भ्रष्ट पूंजीपतियों को गोल्ड कार्ड ने जरूर सुनहरा अवसर दिखा दिया है।

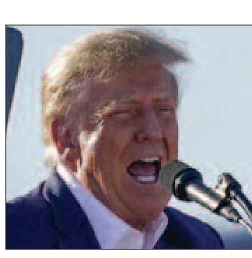

चिंतन-मनन

व्यवहार से ही मिल गया सवाल का जवाब

एक दार्शनिक समस्याओं के अत्यंत सटीक समाधान बताते थे। एक बार उनके पास एक सेनापति पहुंचा और स्वर्ग-नर्क के विषय में जानकारी चाही। दार्शनिक ने उसका पूर्ण परिचय पूछा तो उसने अपने वीरतापूर्ण कार्यों के बारे में सविस्तार बताया। उसकी बातें सुनकर दार्शनिक ने कहा - शक्ल-सूरत से तो आप सेनापति नहीं, भिखारी लगते हैं। मुझे विश्वास नहीं होता कि आपमें हथियार उठाने की क्षमता भी होगी। दार्शनिक की अपमानजनक बातें सुनकर सेनापति को गुस्सा आ गया। उसने म्यान से तलवार निकाल ली। यह देख दार्शनिक ठहाका लगाते हुए बोले - अच्छा तो आप तलवार भी रखते हैं। यह शायद काठ की होगी। लोहे की होती तो अब तक आपके हाथ से छूटकर गिर गई होती। अब तो सेनापति आपे से बाहर हो गया।

उसकी आंखें क्रोध से लाल हो गईं और वह दार्शनिक पर हमला करने को उद्यत हो गया। तभी दार्शनिक ने गंभीर होकर कहा - बस यही नर्क है। क्रोध में उन्मत्ता होकर आपने अपना विवेक खो दिया और मेरी हत्या करने को तत्पर हो गए। दार्शनिक की बात सुनकर सेनापति ने शांत होकर तलवार म्यान में वापस रख ली। तब दार्शनिक ने कहा - विवेक जाग्रत होने पर व्यक्ति को अपनी भूलों का अहसास होने लगता है। मन शांत होने से स्थिरता आती है और दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। यही अनुभूति स्वर्ग है। सेनापति को अपने प्रश्न का उत्तार मिल गया। सार यह है कि आत्मनियंत्रण से विवेक उपजता है, जिसके कारण अनुचित कर्म या व्यवहार पर रोक लगती है और जीवन में शांति व संतोष की अनुभूति होती है।

जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिका की गिरती साख

सौरभ जैन अंकित

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई में तीखी नोंक-झोंक ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी। यह बैठक मुख्य रूप से अमेरिका-यूक्रेन संबंधों को मजबूत करने और सैन्य सहायता पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, लेकिन वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई। इस टकराव ने अमेरिका की साख और वैश्विक विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका से मिनरल डील और सैन्य सहायता की उम्मीद लेकर वहाँ पहुंचे थे, लेकिन ट्रंप ने आर्थिक मदद के बदले अमेरिका को वित्तीय रिटर्न देने की शर्त रखी। उन्होंने यूक्रेन से 500 अरब डॉलर की मांग की, हालांकि वह 350 अरब डॉलर तक की डील फाइनल करना चाहते थे। जब ट्रंप ने सुरक्षा सहायता पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, तो जेलेंस्की ने खुलकर अपना विरोध दर्ज कराया।

जब एक पत्रकार ने अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता पर सवाल किया, तो ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा, अभी सुरक्षा के बारे में बात नहीं करना चाहता, मैं चाहता हूं कि बस डील हो जाए। इस पर जेलेंस्की ने जोर देकर कहा, यह युद्ध रूस और यूक्रेन के बीच है, अमेरिका और रूस के बीच नहीं। अगर पुतिन को नहीं रोका गया, तो वह पोलैंड पर भी हमला कर सकते हैं।

इस बयान पर ट्रंप भड़क गए और जेलेंस्की पर सीजफायर न चाहने और लाखों लोगों की जिंदगी के साथ खेलने का आरोप लगा दिया। दोनों के बीच बढ़ती तल्खी के कारण व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने जेलेंस्की को तुरंत बैठक समाप्त कर व्हाइट हाउस छोड़ने के लिए कह दिया। इसके बाद जेलेंस्की लंदन के लिए रवाना हो गए, जहां वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर द्वारा आयोजित यूक्रेन समिट में शामिल हुए।

इस विवाद के बाद वैश्विक राजनीति में अमेरिका की साख गिरने लगी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टेरसन और एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहक्ना ने रूस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए जेलेंस्की का समर्थन किया। पोलैंड, स्पेन, आयरलैंड और लात्विया ने भी यूक्रेन को समर्थन देने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी जेलेंस्की के पक्ष में बयान दिया।

इस घटनाक्रम के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने बेबाकी से अपनी बात रखेंगे। अमेरिका, जो अब तक वैश्विक राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में देखा जाता था, उसकी साख लगातार गिर रही है। जेलेंस्की की मुखरता ने यह संदेश दे दिया है कि छोटे और मध्यम आकार के देश भी अब अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं होंगे।

अमेरिका के इस विवादास्पद रुख के कारण उसकी वैश्विक विश्वसनीयता पर भी असर पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति अब सहयोगी देशों को असमंजस में डाल रही है। इससे पहले, अमेरिका कई अंतरराष्ट्रीय संधियों और समझौतों से पीछे हट चुका है, जिससे उसकी छवि एक अविश्वसनीय सहयोगी के रूप में बन रही है। अब इस घटना के बाद, कई यूरोपीय और एशियाई देश अपने स्वतंत्र कूटनीतिक और आर्थिक रास्ते तलाशने शुरू कर देंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की बेबाकी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई उनकी तीखी बहस ने वैश्विक राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है। यह स्पष्ट हो चुका है कि अमेरिका अब वह महाशक्ति नहीं रहा जिस पर पूरी दुनिया आंख मूंदकर विश्वास कर सके। भविष्य में अन्य देश भी अमेरिका के सामने मजबूती से खड़े होंगे और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर अधिक ध्यान देंगे।

अमेरिका अब अपने हितों को प्राथमिकता देने के लिए अपने सहयोगियों को दबाव में लेने की रणनीति अपनाने की कोशिश कर रहा है, यूरोपीय देशों और अन्य वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है अब विश्व राजनीति बहुपक्षीय दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां अमेरिका को अपना वर्चस्व बनाये रखना संभव नहीं होगा।

तंबाकू नियंत्रण : बीस बरस और भविष्य की राह

अमरपाल सिंह वर्मा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक ऐसी संधि ने बीस साल पूरे कर लिए हैं, जिसका दुनिया भर में जन स्वास्थ्य को व्यापक लाभ मिला है। विश्व में फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) नामक यह संधि 27 फरवरी 2005 को हुई थी।

अब इसे इतिहास की ऐसी पहल के रूप में स्वीकार्यता मिल गई है जिसे न केवल व्यापक रूप से अपनाया गया है बल्कि जिसके अपेक्षित परिणाम भी सामने आए हैं। इस संधि की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी बदौलत लाखों लोगों की जान बचाने में कामयाबी मिली है। मानवता के लिए एक गंभीर संकट बन चुके तंबाकू के दुष्प्रभावों को कम करने में इस संधि की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

यह सर्वविदित है कि तंबाकू मानवता के लिए एक अभिशाप बन चुका है। यह दुनिया में कैंसर, टीबी जैसी बीमारियों और उनकी वजह से होने वाली मौतों कारण बन रहा है। तंबाकू के कारण हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 20 प्रतिशत हृदय रोगियों की मौत के लिए तंबाकू ही जिम्मेदार है। इसके अलावा यह सामाजिक एवं आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अधिक प्रभावित होते हैं।

संधि के तहत कई प्रभावी उपाय अपनाए गए हैं जिनका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में दुनिया के 138 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर चेतावनियां दी जाती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कई देशों में तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को साधारण कर दिया गया है, जिससे ब्रांडिंग और आकषर्क डिजाइन की संभावनाओं को समाप्त करने में मदद मिली है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस संधि की बदौलत तंबाकू विज्ञापनों और प्रमोशन पर 66 से अधिक देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और अन्य बंद इमारतों में धूम्रपान निषेध से निष्क्रिय धूम्रपान के कारण होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिली है। इससे ऐसे लोगों का जीवन बचाने में सहायता मिली है, जो खुद सिगरेट का प्रयोग नहीं करते पर धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों की वजह से इसका खतरा झेलते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वि की एक चौथाई आबादी ऐसी नीतियों के दायरे में आ चुकी है, जिससे तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ ने संधि की 20 वीं वषगांठ के मौके पर कहा है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव पर केंद्रित यूएन संधि ने पिछले दो दशकों में लाखों-करोड़ों जिंदगियों की रक्षा करने में मदद की है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू गैर संचारी रोगों का एक बड़ा कारण है जो न केवल असामयिक मौतों का कारण बनता है, बल्कि इससे प्रभावित लोग विकलागंता का भी शिकार हो सकते हैं। जो गरीब लोग तंबाकू जनित बीमारियों से पीड़ित होते हैं, उन पर इलाज का भारी बोझ पड़ता है। ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में पोषक आहार से भी वंचित रहते हैं क्योंकि वह अपनी आमदनी का एक बड़ा हिस्सा महंगे तंबाकू उत्पादों पर खर्च कर डालते हैं।

तंबाकू उत्पादन के लिए अत्यधिक जमीन एवं पानी की जरूरत पड़ रही है। अगर तंबाकू के प्रति लोग नकारात्मक रवैया अपनाएं तो इस जमीन व पानी का इस्तेमाल जरूरी खाद्यान्न के उत्पादन में किया जा सकता है। यदि तंबाकू का प्रचलन कम हो तो इन संसाधनों का उपयोग अधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यकीनन, इस संधि के तहत बहुत काम किया गया है पर अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। डब्ल्यूएचओ के और अन्य विशेषज्ञ इस संधि के तहत तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने, विज्ञापन व प्रायोजकों पर रोक लगाने, नये तंबाकू व निकोटीन उत्पादों से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने जैसे विभिन्न उपायों को अपनाने पर बल दे रहे हैं। इस दिशा में सक्रियता से काम होना चाहिए।

साथ ही, तंबाकू के प्रति नकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए शिक्षा और जागरूकता अभियानों को और सशक्त करने की आवश्यकता है। लोगों को यह समझाय जाना चाहिए कि तंबाकू सेवन केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि यह एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट है। यदि सरकारें, समाज और आम लोग मिलकर इस प्रयास को जारी रखें तो एक स्वस्थ और तंबाकू मुक्त विश्व की कल्पना को साकार किया जा सकता है।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा RNI.NO.UPHIN/2011/37197, 9310549614 किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

होली पर्व पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी

आज का मुद्दा आशीष कुमार
बुलंदशहर : शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निदेर्शानुसार अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद, एडीएम प्रशान्त कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक नगर ऋजुल, सिटी मजिस्ट्रेट व ईओ , थाना प्रभारी द्वारा आगामी त्यौहारो रमजान, होली आदि के दृष्टिगत थाना कोतवाली नगर परिसर में थाना क्षेत्र के संभ्रान्त व्यक्ति, व्यापारी सुक्षा प्रकोष्ट के सभी अधिकारी/पदाधिकारी, समस्त ज्वैलर्स, समस्त सभासद, सभी मंदिरों के पुजारी, सभी मस्जिदों के मौलवी, शहर काजी, इमाम के साथ पीस कमेटी की मीटिंग की गयी। मीटिंग में आगामी त्यौहारों को लेकर उच्चाधिकारीगण द्वारा विन्दु वार निम्न दिशा-निर्देश निर्गत किये गये।

1- आगामी होली त्यौहार को लेकर अवगत कराया गया कि होली विजली के तारों के नीचे नहीं जलायी जायेगी।

2. होली पर्व पर शराव पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

3.होली पर्व पर अनावश्यक रूप से लडकियों व औरतों को जवरजस्ती रंग लगाने पर मुकदमा दर्ज किया जायेगा।

4.जुमे की नमाज के समय होली पर्व पर किसी भी प्रकार से किसी भी व्यक्ति के ऊपर रंग नहीं डाला जायेगा तथा जवरजस्ती रंग डालने व लगाने पर मुकदमा पंजीकृत किया जायेगा।

5.होली पर्व पर किसी भी प्रकार से कोई अश्लील/साम्प्रदायिक गाना नहीं वजाया जायेगा। डीजे मानक के अनुसार वजाया जायेगा। अत्यधिक तेज आवाज में डीजे वजाने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

6.होली पर्व पर युवा पीडी को समझाया गया कि शराव पीकर उत्पाद न मचाये यदि आपके द्वारा यदि ऐसा किया गया तो शराव पीकर उत्पाद मचाने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधिनक कार्यवाही की जायेगी।

7.सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक खवरों पर ध्यान न देने के सम्वन्ध में अवगत कराया गया तथा इस प्रकार की खबरों के सम्वन्ध में तत्काल सूचना पुलिस को देने हेतु अवगत कराया गया।

प्रोबेशन अधिकारी के निदेर्शों बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

आज का मुद्दा

प्रिन्स शर्मा जनपद बुलंदशहर
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रेषित कार्ययोजना के क्रम में श्री जय प्रकाश यादव जिला प्रोबेशन अधिकारी के निदेर्शों के क्रम में आज दिनांक 01/03/2025 को ग्राम परवाना महमूदपुर में जिला पंचायत सदस्य डॉ0 सतीश लोधी एवं ग्राम प्रधान पुत्र निर्देश कुमार लोधी की अध्यक्षता में कन्याजन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान माननीय जिला पंचायत सदस्य द्वारा 31 नवजात बालिकाओ का केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया '

रुचिका द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड लाइन तथा हेल्प लाइन नंबर 181 महिला हेल्प लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। सभी बालिकाओ का मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में आवेदन हेतु प्रक्रिया बतायी गई ,

इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग से अमित कुमार संरक्षण अधिकारी, रिंकी केस वर्कर एवं दीपक वन स्टॉप सेंटर यूनिट 2 से उपस्थित रहे ।

रुचिका महिला कल्याण विभाग बुलंदशहर ।

संपूर्ण समाधान दिवस में 26 शिकायतें हुई प्राप्त, चार का मौके पर किया गया निस्तारण

आज का मुद्दा (आशीष कुमार)
बुलंदशहर : स्याना तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 26 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया है। शनिवार को एसडीएम गजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया था। एसडीएम ने मौजूद समस्त विभागीय अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों का स्वयं मौके पर जाकर समय-सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं तहसील दिवस के दौरान व्यापार संघ के नगर अध्यक्ष राजेश चौहान ने विद्युत कर्मियों पर बिल जमा होने के बाद भी कनेक्शन काटने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया है। एसडीएम ने बताया कि तहसील दिवस में

पुलिस, राजस्व व बिजली आदि विभागों की 26 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं शेष बची शिकायतों को निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंप दी गई हैं। इस दौरान सीओ दिलीप सिंह, तहसीलदार अजय कुमार, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी सेवाराम राजभर, स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा. अमित कुमार व कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार की नीतियों के खिलाफ बैंक कर्मचारियों ने जताया विरोध

आज का मुद्दा बुलंदशहर-बुलंदशहर जहाँगीराबाद नगर स्थित केनरा बैंक के कर्मचारियों ने शुक्रवार को यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियन के आह्वान पर बैज लगाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूनाइटेड फॉर्म ऑफ बैंक यूनियन ने बैंकों में पर्याप्त भर्ती, नौकरियों का निजीकरण रोकने और बैंकों में पांच दिन काम करने का समर्थन किया। इस सांकेतिक प्रदर्शन के दौरान बैंक कर्मचारियो ने कहा कि सरकार के तानाशाही भरे फैसलों के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया है। सरकार के इन दमनकारी फैसलों के खत्म होने तक इस प्रकार विरोध जारी रहेगा। इस अवसर पर ललित कुमार, शैलेन्द्र भारद्वाज, अजित सिंह तोमर, जय किशन गुप्ता और अंकुर आदि उपस्थित रहे।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, दो व्यक्तियों की दर्दनाक मौत

तीसरा युवक प्रशांत गम्भीर रूप से घायल

मृतक नीरज का फाइल फोटो

मृतक नीरज का फाइल फोटो

घायल प्रशांत

आज का मुद्दा-बुलंदशहर : स्याना से बुगरासी लौटते समय एक अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई। जिसमें कस्बा निवासी दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना से कस्बे भर में शोक की लहर है।परिजनों के अनुसार बुगरासी के मौहल्ला तकियावाला निवासी करीब 30 वर्षीय नीरज पुत्र गोपाल सोनी, 48 वर्षीय लोकेश पुत्र भभूति ठाकुर, 22 वर्षीय प्रशांत शर्मा शुक्रवार बीती रात करीब 9:30 बजे स्याना से बुगरासी घर लौट रहे थे। स्याना-बुगरासी रोड पर किसौला के निकट तेज गति में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर लगते ही कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा तो लोकेश की घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी थी। जबकि बुरी तरह घायल नीरज को स्याना फर्स्ट ऐड देकर तुरन्त हायर सेन्टर भेज दिया गया। नाजुक हालत में मेरठ से दिल्ली ले जाते समय नीरज ने भी मौत दम तोड दिया। पुलिस ने लोकेश के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। जबकि परिजनों ने नीरज के शव को रास्ते से घर लाकर बिना पोस्टमार्टम के अंतिम संस्कार कर दिया। तीसरा युवक प्रशांत घटना में बची जान पर फफक-फफक कर रोने लगा। दो व्यक्तियों की दर्दनाक मौत से परिजन सहित पूरे कस्बे में शोक की लहर है। पुलिस मामले में आवश्यक करवाई कर रही है।

लकी का उजड गया संसार....
मृतक नीरज की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व लकी से हुई। लकी को लंबे समय के बाद दिसंबर 24 में पांच माह के जुडवा शिशु गर्भ में खराब हो गये थे, इस के गम से लकी उभर नही पायी कि अचानक पति की दुर्घटना में मौत हो गई। अब विधवा लकी पथराई आंखों से पति का सदमा बर्दाश्त नही कर पा रही है।

एमएसडीई के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और भारत भर के अन्य हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में महिला उद्यमिता कार्यक्रम, स्वावलंबिनी का शुभारंभ किया

मेरठ, 1 मार्च, 2025: कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने नीति आयोग के सहयोग से मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में महिला उद्यमिता कार्यक्रम स्वावलंबिनी की शुरूआत की, जो भारत में महिला उद्यमिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स (एचईआई) में महिला छात्रों को अपने उद्यम को सफलतापूर्वक बनाने और बढ़ाने के लिए आवश्यक उद्यमशीलता माइंडसेट, रिसोर्सेज और मेंटरशिप प्रदान करके सशक्त बनाती है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), तथा शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री, भारत सरकार, जयन्त चौधरी ने अपने संबोधन के दौरान कहा, ह्लस्वावलंबिनी महिला उद्यमिता कार्यक्रम एक पहल है जिसका उद्देश्य युवा महिलाओं को अपना बिजनेस स्थापित करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाना है। हम उन कार्यक्रमों से आगे बढ़ना चाहते हैं जो महिलाओं को योजनाओं के लाभार्थियों के रूप में सूचीबद्ध करते हैं। हम महिलाओं के नेतृत्व वाली विकास पहल की ओर बढ़ना चाहते हैं और यही हमारे प्रधानमंत्री की संकल्पना भी है। भारत की प्रगति के लिए महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। असीमित संभावनाओं की कल्पना करें यदि हम बाधाओं को तोड़ें और महिलाओं को सही रिसोर्सेज, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करें तो हम उनकी वास्तविक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक आर्थिक आवश्यकता नहीं बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन है। जब एक महिला सशक्त होती है तो वह अपने परिवार, अपने समुदाय और पूरे देश का उत्थान करती है। उन्होंने यह भी कहा, "भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारत के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है, जिससे उन्हें अपने करियर में सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का विजन मिला है। हम अपने देश के युवाओं में जागरूकता पैदा करने और उन्हें अपस्किल करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में एआई से संबंधित करिकुलम के साथ एक पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तत्पर हैं। एमएसडीई के तत्वावधान में और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्मॉल बिजनेस डेवलपमेंट (निस्बड) द्वारा कार्यान्वित तथा नीति आयोग के साथ संयुक्त

साझेदारी में, स्वावलंबिनी का उद्देश्य युवा महिलाओं के लिए एक संरचित और चरणबद्ध उद्यमशीलता यात्रा स्थापित करना है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को अवेयरनेस बिल्डिंग, स्किल डेवलपमेंट, मेंटरशिप और फंडिंग स्पोर्ट सहित विभिन्न चरणों से गुजरेगा। महिलाओं के नेतृत्व वाले आशाजनक उद्यमों को बढ़ावा देने और मान्यता देकर, यह पहल भारत में महिला उद्यमिता के भविष्य के लिए एक मानक स्थापित करना चाहती है। आईआईटी भुवनेश्वर, ओडिशा में उत्कल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), कियांग नांगबा गवर्नमेंट कॉलेज, रिभोई कॉलेज, मिजोरम यूनिवर्सिटी, गवर्नमेंट चंपई कॉलेज, लुंगलेई गवर्नमेंट कॉलेज, हांडिक कॉलेज और दिसपुर कॉलेज सहित पूर्वी क्षेत्र के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में इसकी सफल शुरूआत के बाद, स्वावलंबिनी को अब देश के अन्य क्षेत्रों में विस्तारित किया जा रहा है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), तथा शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री जयन्त चौधरी ने मेरठ में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद और मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी में स्वावलंबिनी के वर्चुअल लॉन्च को भी चिह्नित किया, जिससे देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस पहल की पहुंच का विस्तार हो सके। यह कार्यक्रम युवा महिलाओं को विचार से लेकर सफल उद्यम निर्माण तक के ट्रांजिशन में मदद करने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड, मल्टी-स्टेज ट्रेनिंग अप्रोच प्रस्तुत करता है। इसकी शुरूआत एंटरप्रेन्योरशिप अवेयरनेस प्रोग्राम (ईएपी) से होती है, जो लगभग 600 महिला छात्रों को फंडामेंटल एंटरप्रेन्योरियल कॉन्सेप्ट, मार्केट के अवसरों और आवश्यक बिजनेस स्किल से परिचित कराने के लिए डिजाइन की गई दो दिवसीय वर्कशॉप है। इसके बाद वूमेन एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) शुरू होता है, जो 300 चयनित छात्रों के लिए 40 घंटे की प्रशिक्षण पहल है। ईडीपी बिजनेस डेवलपमेंट, फाइनेंस पहुंच, मार्केट लिंकेज, कंप्लायंस और कानूनी सहायता के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करता है। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को अपने विचारों को सस्टेनेबल बिजनेस वेंचर में बदलने में मदद करने के लिए छह महीने की मेंटरशिप और हैंडहोल्डिंग सपोर्ट सिस्टम शामिल किया गया है। लॉन्ग टर्म प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, कार्यक्रम में एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) भी शामिल है, जहाँ भाग लेने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों के फैकल्टी सदस्य पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र से गुजरते हैं। यह पहल शिक्षकों को अपने संस्थानों के भीतर इच्छुक महिला उद्यमियों को सलाह देने और मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करती है। इसके अलावा, स्वावलंबिनी अवार्ड टू रिवाड्र्स पहल के माध्यम से कार्यक्रम से आगे बढ़ने वाली सफल महिला उद्यमियों को पहचानेगी और पुरस्कृत करेगी, जो भविष्य के प्रतिभागियों को प्रेरित करेगी। यह कार्यक्रम महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के विकास का सहयोग करने के लिए वर्कशॉप, सीड फंडिंग और स्ट्रक्चर्ड मेंटरिंग का लाभ उठाएगा। महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने वाले एक इकोसिस्टम की वकालत करके, स्वावलंबिनी उत्तर भारत और उससे आगे एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करने के लिए तैयार है। इस पहल का उद्देश्य ईडीपी-प्रशिक्षित प्रतिभागियों में से कम से कम 10% को सफल उद्यम स्थापित करते हुए देखना है, जो भारत में एक आत्मनिर्भर, महिला-नेतृत्व वाले उद्यमशीलता लैंडस्केप के बड़े विजन में योगदान देता है। मेरठ, बनारस और तेलंगाना में लॉन्च और पूर्व में सफल कार्यान्वयन के साथ, यह कार्यक्रम महिलाओं को बिजनेस लीडर, इनोवेटर्स और परिवर्तन निमार्ताओं के रूप में सशक्त बनाना जारी रखता है। स्ट्रक्चर्ड ट्रेनिंग, मेंटरशिप और पॉलिसी सपोर्ट के माध्यम से, स्वावलंबिनी देश में महिला उद्यमिता के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

दो बार पुलिस को गच्चा दे भागा, कभी हिदाड़ी मजदूर तो कभी कंप्यूटर इंजीनियर बना, फिर ऐसे फंसा जाल में

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। गाजियाबाद खोड़ा में नौशाद ने अपनी साली के हत्या कर दी थी, जिसमें वह गाजियाबाद जेल में बंद था। अभियुक्त 18 अक्तूबर को डासना से कचहरी सदर हवालात गाजियाबाद लाया गया था। वहीं से वो फरार हो गया। अभियुक्त नौशाद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया गया था। करीब डेढ़ साल वो पुलिस से बचने की लगातार कोशिश करता रहा। 2800 किमी। तक भागा लेकिन पुलिस से गच्चा खा गया और गिरफ्तार कर लिया गया। गाजियाबाद पुलिस के अनुसार अभियुक्त नौशाद 12वीं तक पढ़ा है और उसने कम्प्यूटर रिपेयरिंग का काम सीखा था। 13 अगस्त 2016 को उसने अपनी साली की हत्या कर दी थी, जिसमें वह जेल चला गया था। पेशी के दौरान 07 अगस्त 2019 को वह सिपाहियों को चकमा देकर भाग गया था। 04 जनवरी 2020 को एसटीएफ द्वारा नौशाद को गिरफ्तार कर दोबारा जेल भेज दिया गया था। तभी से नौशाद जिला जेल डासना गाजियाबाद में में था। अक्तूबर 2023 को पेशी के दौरान फिर से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। इसके बाद वो दिल्ली गया और वहां से ट्रेन से मुम्बई चला गया। वहां फलों की मण्डी में मजदूरी करने लगा और बान्द्रा में झुग्गी मे रहने लगा। वहां पर करीब 6-7 माह काम करने के बाद दिल्ली आया और गौतमपुरी बदरपुर में रहने लगा। नेहरू प्लेस दिल्ली में कम्प्यूटर रिपेयरिंग के काम करके गुजारा कर रहा था। फरारी के दौरान गिरफ्तारी से बचने करीब 2800 किमी। भागा। इस दौरान नौशाद अपने किसी भी रिश्तेदारों या जानने वालों से कोई सम्पर्क नही रखा रहा था। लेकिन पुलिस टीम लगातार नजर रखे हुए थी, मौका मिलते ही गिरफ्तार कर लिया।

'बनिये की लड़की हूं, फिजूलखर्ची नहीं करूंगी', सीएम रेखा गुप्ता सदन में बोलीं- भ्रष्टाचारियों को छोड़ूंगी नहीं

(के0जी0 शर्मा) नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली विधानसभा में उअऋकी रिपोर्ट पेश किया। साथ वह पिछली सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग में की गई गड़बड़ी का लेखा जोखा भी सामने रखा। केंद्रीय गृह मंत्रालय में गृहमंत्री अमित शाह की आगुवाई में दिल्ली की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर बैठक खत्म हो चुकी है। सीएम रेखा गुप्ता बैठ के बाद पत्रकारों को संबोधित किया। साथ ही उन्होंने बताया कि बैठक में क्या-क्या बात हुई। उन्होंने बताया कि ये बैठक सबसे ज्यादा दिल्ली की महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस में रही। शीला दीक्षित के बाद पहली बार दिल्ली सरकार के गृह मंत्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री और दिल्ली पुलिस के साथ गृह मंत्रालय में इस तरह की मीटिंग हो रही है। इस बैठक में दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के आला अधिकारी शामिल होंगे। यह मीटिंग सुबह 11 बजे होगी। मीटिंग में दिल्ली पुलिस कमिश्नर समेत दिल्ली पुलिस के सभी स्पेशल कमिश्नर मौजूद रहेंगे। मीटिंग में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के गृह मंत्री अशीष सूद भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस में सामंजस्य बना रहे, इसको लेकर ये मीटिंग हो रही है। दिल्ली की कानून व्यवस्था की बेहतरी को लेकर दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार मिलकर कैसे काम करे इस पर भी होगी चर्चा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की लॉटरी 4 मार्च को, लखनऊ में 264 भवनों का होगा आवंटन

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा पारा क्षेत्र में बनाए जा रहे 264 भवनों की लॉटरी प्रक्रिया 4 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। इस प्रक्रिया में 830 आवेदकों में से पात्र लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। यह लॉटरी अपर जिलाधिकारी (नगर पूर्वी) व अध्यक्ष की उपस्थिति में समिति द्वारा आयोजित की जाएगी। प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से संपन्न करने के लिए इसे वीडियो रिकॉर्डिंग के अंतर्गत रखा जाएगा ताकि आवेदकों को किसी प्रकार की संदेह न हो। पात्र आवेदक जो लॉटरी प्रक्रिया के दौरान उपस्थित होना चाहते हैं, वे 4 मार्च को निर्धारित समय पर कलेक्ट्रेट, लखनऊ के सभागार में आ सकते हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर उनके आवेदन के आधार पर आवास का आवंटन किया जाएगा।

स्याना विधायक ने विधानसभा में उठाई क्षेत्र की मांगें

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर : स्याना के विधायक देवेंद्र सिंह लोधी ने विधानसभा में क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने क्षेत्र में छात्राओं के लिए एक कॉलेज की स्थापना का प्रस्ताव रखा। साथ ही रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण की मांग भी की।विधायक ने बताया कि

क्षेत्र में रोडवेज बस स्टैंड नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को यात्रा में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने दौलतपुर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग भी रखी।लोधी ने पश्चिम में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा। उनका कहना है कि इससे गांव के गरीब लोगों को न्याय प्राप्त करने में सुविधा होगी। विधायक ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़कों के चौड़ीकरण को भी आवश्यक बताया।

ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी, वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

आज का मुद्दा -बुलन्दशहर जिले के ग्राम दलपतपुर ग्राम पंचायत में संतोष राघव की शिकायत पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में ग्राम प्रधान व सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है बीते दिनों गांब निवासी संतोष राघव ने ग्राम प्रधान व सचिव पर पंचायत सचिवालय जीर्णोद्धार के नाम पर वित्तीय अनियमितताओं आरोप लगाया गया था आरोपों की जाँच रिपोर्ट के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस में ग्राम प्रधान व सचिव से पूछा गया

है कि उन्होंने ग्राम पंचायत की निधि से मैसर्स रॉयल इन्फ्राटेक को 3,56,633 रुपये का भुगतान किस कार्य के लिए किया है वहीं नोटिस में यह भी कहा गया है कि भुगतान से संबंधित कोई भी अभिलेख जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, जिससे भुगतान की गई धनराशि संदेह उत्पन्न करती है। ग्राम प्रधान को अपना स्पष्टीकरण देने और भुगतान से संबंधित मूल पत्रावली प्रस्तुत करने के लिए 7 दिनों का समय दिया गया है। इस मामले में यदि ग्राम प्रधान व सचिव का जवाब संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी गई है

महागुन बिल्डर का दफ्तर सील, 5.20 करोड़ है बकाया

आज का मुद्दा-नोएडा। जिला प्रशासन ने उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) के रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) का 5.20 करोड़ रुपये बकाया न चुकाने पर नोएडा के सेक्टर-63 में स्थित महागुन बिल्डर ग्रुप का दफ्तर सील कर दिया। नोटिस जारी होने के बाद भी बिल्डर बकाया नहीं जमा कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार यदि बिल्डर ने ऑफिस का सील तोड़कर कार्य शुरू किया तो कानूनी कार्रवाई होगी।

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों में पिछड़ते बच्चे

पहले संयुक्त परिवारों में जहां बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए स्वस्थ माहौल व भावनात्मक सहारा मिलता था। वहीं आज उनकी दुनिया सिमटकर टीवी, गैजेट्स व कोचिंग संस्थानों तक हो गई है। एक ओर अकेलापन, अतिव्यस्तता, संवादहीनता, रिश्तों से दूरी, गलाकाट प्रतियोगिताएं, रैंक की चिंता, अच्छा कॉलेज न मिल पाने का भय, जो कि माता-पिता व संस्थानों द्वारा इस कदर दिखाया जाता है कि बच्चा स्वयं को अंक प्राप्त करने वाली मशीन समझने लगता है।

रैकिंग की अंधी रेस में हारने वाला बच्चा या तो अपनों द्वारा बेदर्दी से दुत्कार दिया जाता है या वह स्वयं को असफल मान लेता है। ऐसे में बच्चों के संघर्ष करने की ललक कम होती जाती है और उन्हें अवास्तविक सपनों का आसमान भयावह लगने लगता है। बेहतर 'प्रोडक्ट' बनाने की दौड़ में इन बच्चों पर परीक्षाओं का बोझ इस कदर लादा जाता है कि हर वर्ष की परीक्षाएं इन्हें जिंदगी की आखिरी परीक्षा लगती है और अस्थाई सफलता के लिए ये बच्चे झंझावतों से बचने का स्थाई रास्ता खुदकुशी के रूप में अपनाना ज्यादा सरल समझते हैं।

अभिभावक क्या करें

सपने देखने की आजादी

बड़ों द्वारा तय किए लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में बच्चे अक्सर पिछड़ जाते हैं और इस तनाव से बच्चे टूट जाते हैं। इसलिए बच्चों के लक्ष्य तय करने के बजाए उन्हें अपने सपने खुद देखने दें, अपने लिए लक्ष्य उन्हें स्वयं तय करने की आजादी दें। आप उन्हें पूरा करने के लिए भरपूर सहयोग करें तथा उन्हें अपनी दुनिया जीने की आजादी दें।

संवाद, विश्वास व धैर्य रखें

आप अपने व्यवहार में इतनी कठोरता न लाएं कि बच्चा आपसे अपनी समस्याएं, भावनाएं साझा करने में भी झिझकें। सदैव उन्हें सुनाने की बजाए उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुनें, फिर हौसला दें व सही रास्ते पर आगे बढ़ने के विकल्प सुझाए न कि अपना फैसला उन पर थोपें।

छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाएं

अभिभावक, बच्चों का बेहतरीन करियर बनाने की चाह में उन्हें किसी 'बड़ी' सफलता हासिल करने की ओर धकेल देते हैं। इस अंधेरी डगर पर वे उनकी हर छोटी-छोटी खुशी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि आपको चाहिए कि बच्चों के साथ हर छोटी-छोटी खुशी का जश्न मनाएं, प्रसन्नता जाहिर करें, उनके साथ खुशियां बांटें। असफल होने पर जादू की झप्पी दें। यही छोटी-छोटी बातें उनमें जीवन के प्रति विश्वास जगाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ व सजग व्यक्तित्व बनाती हैं।

योग्यता के अनुरूप अपेक्षाएं

आप बच्चे से उसकी काबिलियत के अनुरूप अपेक्षाएं रखें। करियर के ढेरों विकल्प हैं जिनसे बच्चों को अवगत करवाएं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि उसने कितना स्कोर किया है। और न ही ये चंद कागज के टुकड़े किसी की सफलता के मापदंड हैं। हमारे सामने ढेरों मिसालें हैं जिनकी औपचारिक डिग्रियां अधूरी रहने के बावजूद उन्होंने सफलता के झंडे गाड़े हैं। आप उन्हें करियर के तमाम विकल्पों से अवगत करावाएं। सिर्फ प्राप्त अंकों के आधार पर विषय का चयन करने की बजाए बच्चे की रुचि, योग्यता, क्षमता आदि के आधार पर विषय चयन करने में मदद करें। करियर काउंसलिंग करवाएं। गलत विषय का चयन भी बच्चों को आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर देता है।

सफलता का पैमाना अंक नहीं

कागजों में दर्ज कुछ परीक्षा के अंक सफलता का पैमाना नहीं है और न ही इससे करियर के अवसर कम होते हैं। जहां चाह होगी वहीं कोई न कोई राह निकल ही आएगी। बस इस बात को दिमाग में रखना जरूरी है कि कोई भी परीक्षा बच्चों की जिंदगी से बड़ी नहीं है।

पैरेंट्स डायरी

हर कीमत पर बच्चे की मदद को तैयार रहें। उसकी शारीरिक-भावनात्मक स्थिति पर नजर रखें और प्रोफेशनल की मदद लेने को भी तैयार रहें। ताकि बच्चा अवसाद से न घिरे।

उसे भावनात्मक लगाव और सहयोग दें। उसकी बातें सुनें, आलोचना न करें और उनसे लगातार संवाद बनाएं रखें।

उसे अधिकाधिक सूचनाएं दें। लाइब्रेरी की सदस्यता दिलाएं, स्पोर्ट्स क्लब जॉइन कराएं, दोस्तों से मिलने-जुलने को प्रेरित करें, इंटरनेट पर दिलचस्प जानकारियां लेने को कहें, सामाजिक संस्था से जोड़ें।

डॉक्टर डायरी

इस तरह के मामलों में स्थिति के बारे में कयास लगाने से बेहतर है हर चीज को गंभीरता से लिया जाए। एक डॉक्टर या काउंसलर के रूप में अभिभावक व बच्चे से हर विषय पर गहनता से चर्चा करना ही इस समस्या का सबसे सर्वोत्तम उपाय है।

उचित मार्गदर्शन, प्यार, विश्वास और धैर्य के साथ बेझिझक बातचीत करते हुए बच्चे के मन की बात जानना बेहद जरूरी है ताकि वह हर बात को बिना किसी डर के आपके समक्ष रख दे। शारीरिक हालत को देखते हुए तुरंत बच्चे की मनस्थिति समझने का प्रयास शुरू कर दें।

जब हो ट्विन प्रेग्नेंसी

प्रेग्नेंसी किसी भी स्त्री के जीवन में ढेर सारी खुशियां लेकर आती है लेकिन यह अपने साथ कई जटिलताएं भी लाती हैं। अगर गर्भ में जुड़वां बच्चे हों तो स्थिति और भी मुश्किल होती है। ऐसे में जरूरी होता है कि गर्भावस्था के दौरान खानपान का ध्यान रखा जाए, नियमित जांच कराई जाए और डॉक्टर के सुझाव पूरी तरह माने जाएं, ताकि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और खुश रहें।

गर्भाशय का आकार सामान्य से बड़ा हो और एक से अधिक गर्भ की हार्टबीट्स सुनाई दे रही हों तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह देते हैं। इसी से पता लगता है कि यह ट्विन प्रेग्नेंसी है या नहीं। जैसे ही ट्विन प्रेग्नेंसी का पता चले, अपने और होने वाले बच्चे की बेहतरी के लिए कुछ जरूरी कदम उठाएं। ट्विन प्रेग्नेंसी की जटिलताएं सिंगल प्रेग्नेंसी से अलग होती है। इस दौरान कुछ खास परेशानियां हो सकती हैं-

ट्विन प्रेग्नेंसी में गैस्टेशनल डायबिटीज होने का खतरा बढ़ जाता है। इस दौरान कमजोरी अधिक हो सकती है। प्रसव के बाद ब्लीडिंग का खतरा भी ज्यादा रहता है। ट्विन प्रेग्नेंसी के अधिकतर मामलों में डिलिवरी के लिए सी-सेक्शन की जरूरत पड़ती है। प्रीमैच्योर बर्थ की आशंका अधिक होती है। इसके अलावा गर्भ पर अधिक भार के कारण शरीर में दर्द हो सकता है।

ट्विन प्रेग्नेंसी में एक से अधिक बार चेकअप की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। इसमें सबसे बड़ी समस्या यह आती है कि कई बार एक बच्चा कमजोर होता है और दूसरा स्वस्थ। ट्विन प्रेग्नेंसी में हर चौथे सप्ताह में चेकअप अवश्य कराएं। जैसे-जैसे प्रसव का समय नजदीक आता है डॉक्टर कुछ टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकते हैं। ट्विन प्रेग्नेंसी में वजन अधिक बढ़ जाता है और यह बच्चे के विकास के लिए जरूरी भी होता है।

इस दौरान रखें स्वास्थ्य का खयाल

- यदि किसी का वजन औसत है तो गर्भावस्था के दौरान प्रतिदिन सामान्य से लगभग 600 अतिरिक्त कैलरीज की जरूरत पड़ती है। कितनी कैलरी लेना होगी यह वजन, जरूरत और दिनचर्या पर निर्भर करता है।
- पोषक तत्वों का सेवन करें। फॉलिक एसिड, कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और दूसरे आवश्यक पोषक पदार्थों का सेवन अवश्य किया जाना चाहिए।
- गर्भावस्था में पर्याप्त पानी पीना जरूरी है ताकि शरीर में जल का सही स्तर बना रहे।
- उपवास या व्रत से बचें और भूखे पेट न रहें। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के अलावा बीच-बीच में हेल्दी स्नैक्स लें।
- बेड रेस्ट की सलाह खास जटिलताएं होने पर ही दी जाती हैं। आमतौर पर डॉक्टर सामान्य कार्य करने की सलाह देते हैं इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह के बेडरेस्ट न करें। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि बेड रेस्ट से प्रीमैच्योर डिलिवरी का खतरा बढ़ता है।
- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा हो या तेज सिरदर्द हो तो डॉक्टर को दिखाएं।
- वजन ज्यादा होने से पैरों में सूजन आती है, इसलिए पैर लटकाकर देर तक न बैठें।
- नमक का सेवन कम करें ताकि ब्लडप्रेशर अधिक न बढ़े।

हर एक के लिए फुर्सत के मायने अलग-अलग होते हैं। जैसे कुछ लोगों के लिए फुर्सत या छुट्टी का मतलब है बस घर में बैठे-बैठे कुछ करते रहना। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ।

छुट्टियों का लें भरपूर आनंद

कुछ-कुछ यानी कभी किसी कमरे को नए सिरे से सजाना तो कभी कोई किताब पढ़ना, बहुत दिनों से अधूरी पड़ी किसी पेंटिंग को पूरा करने की कोशिश या हारमोनियम-तबला लेकर बैठ जाना, किसी भूली-बिसरी धुन पर सिर धुनना और कोई सिरा पकड़ में आ जाने पर उसी की मस्ती में खो जाना.। ऐसा कुछ भी या इससे भी भिन्न कुछ और, बस घर में बैठे-बैठे करते रहना। कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब चार दीवारों के दायरे से थोड़ा आगे बढ़कर बाहर निकलकर कुछ करना होता है। यह किसी बाजार या मॉल में जाकर शॉपिंग करना हो सकता है, किसी अजीज दोस्त या रिश्तेदार से मिलना हो सकता है, कोई हॉबी क्लास ज्वॉइन करना हो सकता है या फिर कुछ और.। कुछ लोग योग या ध्यान के शिविर में चले जाते हैं, यानी फुर्सत पाते ही हर कोई अपनी पसंद का काम ढूंढ निकालता है।

फुर्सत यानी कुछ और

लेकिन कुछ लोगों के लिए फुर्सत का मतलब यह सब भी नहीं होता। उनके लिए फुर्सत का मतलब सिर्फ छुट्टियां होता है। छुट्टियां अगर थोड़ी लंबी हों यानी हफ्ते-दो हफ्ते का समय मिल जाए तो बहुत अच्छा, वरना एक-दो दिन की त्योहारी छुट्टी ही मिले तो भी चलेगा। एक-दो दिन अगर कहीं शनिवार-रविवार से जुड़े मिल जाएं तब तो कहने ही क्या! वे इतनी-सी छुट्टी पाकर भी बेहिसाब खुश होते हैं। अव्वल तो ऐसी छुट्टियों का इंतजार वे महीनों पहले से कर रहे होते हैं और उसी हिसाब से अपने कार्यक्रम सुनिश्चित कर ट्रेन या प्लेन टिकट से लेकर निकट या दूर के किसी शहर या कस्बे में होटल तक की बुकिंग करवा चुके होते हैं। कुछ लोग यह काम ग्रुप में करते हैं तो कुछ अकेले और कुछ परिवार के साथ। हफ्ते-दो हफ्ते की छुट्टियां तो ऐसे लोगों के लिए बड़ी नेमत होती हैं। और हां, छुट्टियां वाकई नेमत होती हैं। ये आपको सिर्फ मानसिक सुकून ही नहीं देती, आपकी रचनात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं और अर्थव्यवस्था के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों को हमारे यहां अधिकतर सैर-सपाटे से जोड़कर देखा जाता है। इससे मनोदशा में बदलाव तो होता ही है, देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति की जानकारी भी मिलती है। लौटकर लोग खुद को ज्यादा ऊर्जावान महसूस करते हैं और नए उत्साह के साथ अपने रूटीन काम में जुट जाते हैं। जरूरी किस्म की छोटी या व्यावसायिक यात्राओं की बात अलग है, लेकिन आमतौर पर यह देखा जाता है कि लोग लंबी यात्राओं पर पूरे परिवार के साथ ही जाना चाहते हैं। इसकी कई वजहें हैं। माना जाता है कि इससे सफर का मजा बढ़ जाता है। पूरे परिवार के एक साथ कहीं पर्यटन पर जाने से समग्रता में बजट भी संतुलित रहता है।

रिश्तों में जान

हम भारतीयों के लिए छुट्टियां केवल सेहत बनाने, कुछ सीखने, ज्ञान बढ़ाने और मौज-मस्ती करने ही नहीं, अपने मूल और रिश्तों को सहेजने का भी एक साधन है। मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद कहती हैं-'अब लोगों को इस बात का एहसास होने लगा है कि फैमिली हॉलिडे अपने रिश्तों को रिवाइव करने का अच्छा माध्यम हैं।' इसलिए साल में कम से कम एक बार लोगों को परिवार छुट्टियां बिताने का समय जरूर निकालना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि इसके लिए आपकी छुट्टियां बहुत लंबी हों या हर बार ढेर सारे पैसे खर्च करके आप विदेश यात्रा पर ही जाएं क्योंकि ऐसी छुट्टियों में डेस्टिनेशन के बजाय परिवार के साथ बिताए जाने वाले खुशनुमा पलों की ज्यादा अहमियत होती है।

सबके साथ घूमने का मजा ही कुछ और आज की जीवनशैली इतनी व्यस्त है कि एक ही छत के नीचे रहने के बावजूद लोगों को अपने परिवार के साथ फुर्सत के दो-चार पल बिताने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे में फैमिली हॉलिडे के बहाने उन्हें अपने परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है। वैसे भी छुट्टियों में पूरे परिवार के साथ घूमने-फिरने का अपना अलग ही मजा है, पर ऐसी यात्रा की तैयारी करते समय सबकी रुचियों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है।

चाहते क्या हैं

छुट्टियों पर जाने से पहले यह तय करें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। यह फैसला किसी अन्य के दबाव या प्रभाव में नहीं होना चाहिए। अपनी पसंदीदा गतिविधि के अनुसार सही जगह का चुनाव करें। इसके लिए पहले से कार्यक्रम तय करें और बजट बनाएं।

तय हो योजना

आप अपने रिलेक्सेशन के लिए जो कुछ भी करना चाहते हों, उसके लिए एक-एक दिन की पूरी योजना सुनिश्चित कर लें। योजना तय करते समय ध्यान भी रखें कि जरूरत के मुताबिक थोड़ी ढील की गुंजाइश भी हो। बहुत टाइट शेड्यूल भी तनाव का कारण बन जाता है और छुट्टियों का मजा किरकिरा कर देता है।

जरूरी है जानकारी

कहते हैं आप जो कुछ भी करें उसकी पूरी जानकारी आपको होना चाहिए। इसी कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है सैर-सपाटा। आप जहां जाएं उस स्थान के बारे में इंटरनेट या पत्रिकाओं की मदद लेते हुए कई जरूरी जानकारियां एकत्रित कर लें ताकि आपको कोई दिक्कत न हो।

छोटे बजट में

अगर आप फुर्सत के पलों का लुत्फ घुमक्कड़ी में तलाशते हैं और बजट आपको दूर देश जाने की इजाजत नहीं देता तो जरूरी नहीं कि आप जबरिया बजट खींचतान कर परेशानी मोल लें। आपके देश में भी देखने-जानने के लिए बहुत कुछ है। इन जगहों पर पर्यटन आप पूरे परिवार के साथ छोटे बजट में कर सकते हैं।

तैयारी पहले से

लास्ट मिनट पैकिंग छुट्टियों के आनंद में सबसे बड़ी बाधा होती है। क्या ले जाना है और क्या नहीं, इसकी लिस्ट पहले ही बना लें। यह सही है कि बहुत बोझ दिक्कत का सबब होता है, लेकिन जरूरी चीजों का छूट जाना भी मुश्किल पैदा कर सकता है।

तनाव को अलविदा

ऐसा कुछ भी जो आपके लिए तनाव का कारण हो और आपको रोजमर्रा रूटीन में बंधे रहने का एहसास दिलाए, उसे किनारे करें। यह मोबाइल या इंटरनेट भी हो सकता है और कुछ दोस्त, परिचित या रिश्तेदार भी। दैनिक जीवन के तनाव साथ लेकर न चलें।

सहज रहें

छुट्टियों का असली लुत्फ रिलेक्स होने में है और रिलेक्सेशन मिलता है सहजता से। ऐसा कुछ भी जो सहज होने में बाधक बने, उससे दूर ही रहें तो ही ले सकेंगे पूरा मजा। अगर कोई चीज या किसी की गतिविधि आपको पसंद न आए तो उससे दूर हट जाएं।

गोरखपुर में ढहाई जा रही 4 मंजिला मस्जिद

गोरखपुर। गोरखपुर में 4 मंजिला मस्जिद गिराई जा रही है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने मस्जिद के दो फ्लोर को अवैध बताया था। इसे गिराने के लिए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था। जो 28 फरवरी को पूरा हो गया। मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने सुबह 10 बजे 15 मजदूरों को लगाकर दो फ्लोर गिराने का काम अपने स्तर पर शुरू कर दिया। मस्जिद घोष कंपनी चौराहे के पास बनी है। GYDYA की ओर से कहा गया था कि अगर कमेटी मस्जिद खुद नहीं तोड़ती है तो ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने बिना नक्शा पास कराए मस्जिद के निर्माण पर आपत्ति जताई है। मस्जिद कमेटी की ओर से पक्ष रखा गया है कि यह 20492 स्क्वायर फिट का प्लॉट है। एक समय इसके बीचों बीच में मस्जिद थी। नगर निगम ने जनवरी, 2024 में ढांचा ढहा दिया। कमेटी ने आपत्ति की। जिसके बाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में सहमति बनी। हमें प्लॉट के दक्षिणी कोने में 520 स्क्वायर फिट जमीन मिली। वहीं पर आज यह 4 मंजिला मस्जिद खड़ी है। कमेटी के मुताबिक, मस्जिद नगर निगम की सहमति से ही बनाई गई थी। मगर अब GYDYA मस्जिद को अवैध बता रहा है। मस्जिद का पुराना स्ट्रक्चर कब और कैसे बना? लोगों का कहना है- इस जमीन पर करीब 40 साल पहले अवैध कब्जे होना शुरू हुए। कई मैकेनिक अस्थाई निर्माण बनाकर गाड़ियां

रिपेयरिंग का काम करने लगे। मुस्लिम कम्युनिटी के लोगों ने टीन शेड लगाकर छोटे-छोटे घर तैयार कर लिए। इसी जमीन के बीचो-बीच एक मस्जिद भी बना ली गई। चार दीवार बनाकर टीन शेड डाला गया था। उन्होंने कहा- यह जमीन नगर निगम ऑफिस से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर 20492 स्क्वायर फिट एरिया में है। इसकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपए है। नगर निगम ने 22 जनवरी, 2024 को अपनी जमीन से अतिक्रमण हटवा दिए। सिर्फ मस्जिद ही बची। बाद में रात के वक्त उसको भी ढहा दिया गया। मस्जिद का पक्का निर्माण नहीं था, इसलिए बहुत विरोध नहीं हुआ। मगर मुतवल्ली ने ऊट ऑफिस और नगर निगम के अधिकारियों से मिलकर अपनी बात जरूर रखी। कहा कि कोर्ट से मस्जिद के नाम पर डिक्री है, इसलिए उसे नहीं तोड़ना चाहिए था। इसके बाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में यह मामला गया। सहमति बनी कि जमीन के एक हिस्से में मस्जिद के लिए जगह दे दी जाए। पहली बार मस्जिद का मामला कोर्ट कब गया? दरअसल, 1967 में भी नगर निगम ने मस्जिद हटवाने का प्रयास किया था। तब मस्जिद की तरफ से लोग कोर्ट चले गए। दावा किया गया है कि मस्जिद इस जमीन पर 100 साल से है। कोर्ट ने मस्जिद के लिए 1284 स्क्वायर फिट जमीन देने का आदेश दिया। इसमें 24७26 स्क्वायर फिट जमीन मस्जिद के लिए दी। साथ ही, 60 फीट लंबा और 11 फीट चौड़ी जमीन मस्जिद के रास्ते के लिए दी थी। कोर्ट का यह आदेश नगर निगम की बोर्ड बैठक में रखा गया। फैसला हुआ कि जमीन के दक्षिण-पश्चिम कोने में 24७26 स्क्वायर फीट जमीन मस्जिद के लिए दी जाएगी। सड़क यहां पहले से है। नगर निगम के बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई। GYDYA मस्जिद को अवैध क्यों बता रहा? नगर निगम बोर्ड से प्रस्ताव पास होने के बाद मस्जिद कमेटी ने 4 मंजिला इमारत खड़ी कर ली। 15 फरवरी को GYDYA के अवर अभियंता ने निर्माण को रोकने के लिए कहा।

सरकारी स्कूल में छात्र से कराई सफाई

फिरोजाबाद। के जूनियर हाईस्कूल फरिहा में एक छात्र से झाड़ू लगवाने का वीडियो सामने आया है। इस मामले में बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो में एक छात्र स्कूल में झाड़ू लगाता दिख रहा है। हालांकि वीडियो में कोई शिक्षक नजर नहीं आ रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि बच्चा अपनी मर्जी से सफाई कर रहा है या शिक्षकों के कहने पर। इस मामले में विद्यालय के शिक्षक और छात्र दोनों चुप्पी साधे हुए हैं। बीएसए आशीष पांडे ने बताया कि उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा है। जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सरकारी स्कूलों में इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हाल ही में एक सरकारी स्कूल में एक बच्चे को शौचालय में बंद करने का मामला भी प्रकाश में आया था। शिक्षा विभाग करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है, लेकिन स्कूलों में बच्चों से पढ़ाई की जगह सफाई कराई जा रही है।

गोद लेने वाले टीबी रोगियों से रखे भावनात्मक लगाव- डॉ रामजियावन वर्मा

कुशीनगर। 100 डे टीबी खोज अभियान के तहत जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज के प्रेरणा एवं निर्देशन में जनपद में चलाये जा रहे टीबी रोगियों के गोद लेने के कार्यक्रम के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग तमकुही द्वारा शनिवार को ब्लाक सभागर में 75 टीबी रोगियों को प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली दी गई। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ रामजियावन वर्मा ने कहा कि टीबी रोगियों को गोद लेना पुनीत कार्य है। जो भी शिक्षक या शिक्षिका गोद लिए लिया है उन

रोगियों से भावनात्मक लगाव रखते हुये उस मरीज से महीने में एक बार जरूर बात कर उसके स्वास्थ्य की जानकारी ले ले। विशिष्ट अतिथि जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि जनांदोलन के द्वारा ही हम जनपद को टीबी मुक्त बना सकते है। उन्होंने इस पुनीत कार्य हेतु बेसिक शिक्षा विभाग के प्रति आभार भी प्रकट किया तथा टीबी रोग के लक्षणों एवं उपचार के बारे में बताया। अधीक्षक डॉ अमित राय, एमोटीसी डॉ हिमांशु मिश्र, निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र, एसटीएलएस संजय द्विवेदी ने संबोधित किया।अध्यक्षता कर रहे खण्ड शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि शिक्षक शिक्षा कार्य के साथ सामाजिक कार्यो में भी अग्रणी भूमिका में रहते है। संचालन शिक्षक राजू सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत शिक्षक संघ के अध्यक्ष शम्भू यादव तथा आभार ज्ञापन मंत्री देवेंद्र कुमार ओझा ने किया। इस दौरान एसटीएस धनंजय कुमार पांडेय, बीसीपीएम वाहिद, परामर्शदाता रत्नेश मणि त्रिपाठी,शिक्षक अमरनाथ यादव, अजय सिंह, सुधा सिंह, नलनी गुप्ता, सुनीता यादव, विद्यावती यादव आदि सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षका उपस्थित रहे।

किसानों का दल पहुंचा पश्चिमी उप्र के खतौली चीनी मिल, ली जानकारी

कुशीनगर। गन्ने की उन्नत खेती के गुर सीखने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की यात्रा पर गए किसानों ने प्रदेश की सबसे बड़ी खतौली चीनी मिल का भ्रमण किया और प्रधान प्रबंधक गन्ना नीरव श्रीवास्तव से जानकारी ली। पश्चिमी यूपी की नौ दिवसीय यात्रा पर गए किसानों का स्वागत मिल के यूनिट हेड डॉ अशोक कुमार ने किया। प्रधान प्रबंधक गन्ना श्रीवास्तव ने बताया कि मिल परिक्षेत्र में प्रति एकड़ 400 कुंतल गन्ने की उपज है। कुछ किसान प्रति एकड़ पांच से छः सौ कुंतल उपज ले रहे हैं। किसानों को अशोक कुमार ने बताया कि 26 फरवरी तक मिल द्वारा 165 लाख कुंतल गन्ने की पराई हो चुकी है। पिछले वर्ष 240 लाख कुंतल गन्ने की पराई मिल द्वारा की गई थी। प्रमुख प्रजातियां को. 118, को.15023, को. शा. 13235 हैं। मिल कर्मी प्रतिदिन किसानों के खेत पर जाकर मिल की विकास योजनाओं को

बताते हैं। भुगतान 16 फरवरी तक कर दिया गया है। मुजफ्फरनगर गन्ना उत्पादकता और गुड निर्माण में भारत का सबसे बड़ा जिला है। वैज्ञानिक खेती की वजह से हो रहे लाभ के चलते गांव भी शहर जैसे हैं। यात्रा पर गए किसानों से जुड़ी सूचना साझा करते हुए उप्र गन्ना किसान संस्थान पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक और कसया तहसील क्षेत्र के बकनहा निवासी ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि पश्चिमी उप्र में पूर्वी उप्र की तुलना में गन्ने की औसत उपज अधिक है। कारण वहां किसान पशु पालन करते है और वैज्ञानिक तरीके से परिवार के साथ खेतों में काम करते हैं। पूर्वांचल में गन्ना विकास की अपार संभावनाएं हैं। जिला गन्ना अधिकारी गोरखपुर और सहायक निदेशक जगदीश यादव ने बताया कि 25 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। अधिक उपज और खुशहाली के लिए किसानों को महाराष्ट्र, हरियाणा प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा।

कत्ल के चार गुनाहगारों को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ चालिस हजार रुपये का जुमार्ना

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के राठ में 17 फरवरी 2013 को अभियुक्त ने गोली मारकर युवक का कत्ल कर दिया था, कत्ल की वारदात के बाद मृतक के भाई की तहरीर पर राठ पुलिस ने अ0सं0-183/2013 धाराझ 302/34 आईपीसी के तहत थाना क्षेत्र के कैंधा निवासी प्रहलाद पुत्र गोकुल, अरविन्द पुत्र गोकुल,विरेन्द्र पुत्र ब्रजभूषण सहित राजकुमार पुत्र प्रभुदयाल जोशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जबकि आपरेशन कन्विक्शन के तहत हमीरपुर के अपर जिला सत्र फर्स्ट अदालत के स्कालर जज ने प्रहलाद ,अरविन्द ,विरेन्द्र सहित राजकुमार को गुनाहगार मानते हुये उम्रकैद की सजा के साथ ही सभी को हुआ दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना, जबकि मामले की जांच एस आई रामसिंह यादव ने पूरी करने के बाद अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी, वहीं अभियोजन की तरफ से अदालत में दमदार पैरवी करते हुये एडीजीसी चन्दप्रकाश गोस्वामी ने बचाव पक्ष की दलीलों की हवा निकालदी और चारों गुनाहगारों को उम्रकैद की सजा के साथ ही दस-दस हजार रुपये का जुमार्ना कराने में बड़ी कामयाबी हासिल की।

रूद्र महायज्ञ के शुभारंभ अवसर पर 501 कुंवारी कन्याओं ने निकाली कलशयात्रा

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर नगर पालिका परिषद के गांव डिघवा बुजुर्ग स्थित राम जानकी मन्दिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय रूद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर माथे पर कलश रखे 501 पीत वस्त्रधारी कुंवारी कन्याओं के साथ गणमान्य जनों ने भव्य कलश यात्रा निकाली।

शनिवार को कलश यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक पीएन पाठक, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, मण्डल अध्यक्ष राजेश राव, अध्या पांडेय विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह आदि ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व मंदिर परिसर में आचार्य पंडित सदानंद पांडेय ने कलश की पूजन कराई। कलशयात्रा में जय श्री राम के जय घोष से पूरा वातावरण भक्ति मय हो उठा ।गाजे बाजे, हाथी, घोड़ा, चार पहिया, वाहनों के काफिले के साथ कलश यात्रा बैरिया चौक, कसया, कुशीनगर होते पहुंची छोटी गंडक गंडक नदी पहुंची

जहां आचार्यों ने मंत्रोच्चारण बीच कलश में जल भरवारा, उसके बाद यात्रा पुनः यज्ञ स्थल पर पहुंची जहां कलश की स्थापना पूरे विधि-विधान पूर्वक हुई ।जगह जगह श्रद्धालुओं ने श्रद्धालुओं को जलपान कराया। इस दौरान यजमान रामप्रीत सिंह, रामेश्वर सिंह, महंत बालक दास, संयोजक सियाराम दास, यज्ञ अध्यक्ष भृगुनाथ दास, ओमप्रकाश सिंह, महेन्द्र तिवारी आद्या पाण्डेय, दिनेश तिवारी, संजय जायसवाल,, राहुल सोनी, हरेंद्र जायसवाल, सोनू चौहान, कन्हैया, श्याम चौहान सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

विज्ञान के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाना ही उद्देश्य:अमितेश कुमार

कसया, कुशीनगर। उच्च प्राथमिक विद्यालय बतरौली के प्रांगण में विज्ञान दिवस के अवसर पर शारदा संगोष्ठी, वार्षिकोत्सव एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन हुआ। बच्चों ने विज्ञान के बेहतरीन प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। बच्चों के प्रोजेक्ट और टीएलएम देख सभी अतिथि काफी प्रभावित रहे और बच्चों की बहुत प्रशंसा भी की। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार ने कहा कि विज्ञान के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाना ही इस कार्यकम का उद्देश्य है। साथ ही साथ अगली बार से ब्लॉक स्तर पर भी समस्त उच्च और सांवलिया विद्यालय में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गोरखपुर मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक सुनील सिंह एवं प्रधानाध्यापक राजेंद्र सिंह का बच्चों के लिए के पूर्ण समर्पण की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। जनपद के एस आर जी राम प्रकाश पांडेय द्वारा बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट एवं टीएम का अवलोकन किया गया। छात्र अंश सिंह ने सूक्ष्म जीव का मॉडल, अभिषेक ने जंतु कोशिका का मॉडल, कृति ने चंद्रयान 3, अंशिका का श्वसन मॉडल, सोनम का सूर्य ग्रहण मॉडल, अंशिका सिंह का संचार माध्यम मॉडल, प्रियांशु का फैक्ट्री प्रदूषण मॉडल प्रदर्शनी में छाया रहा। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी हाटा द्वारा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में जिले में द्वितीय रैंक प्राप्त करने वाले इस विद्यालय के छात्र अंश सिंह को सम्मानित भी किया। इसी क्रम में ब्लॉक स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अंशिका कुमारी को 3000 रुपए का चेक भी प्रदान किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मिशन शिक्षण संवाद की जिला संयोजिका मंजू सिंह, जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष देवानंद दुबे, प्राथमिक के पूर्व अध्यक्ष रामनिवास प्रसाद, मोतीचक के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश सिंह, फाजिलनगर से सुरेंद्र मिश्रा, उषा सिंह ,चंदा, रामवीर उपाध्याय , मुन्ना, राहुल , साबिर सिद्दीकी उपस्थित रहे।संचालन अमिताभ मणि त्रिपाठी और प्रधानाध्यापक राजेंद्र सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संपूर्ण समाधान दिवस में आई 120 शिकायतें, 4 का निस्तारण

आज का मुद्दा-बांदा। बबेरू तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी ने की। समाधान दिवस में जिलाधिकारी जे0 रीभा ने निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्धता एवं गुणवत्ता से निस्तारण करें। मौके पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण संबंधित अधिकारियों से कराया। विद्युत, पुलिस, विकास, आपूर्ति तथा अन्य विभागों से संबंधित कुल 120 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें से मौके पर चार शिकायतों का निस्तारण किया गया। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों को समय के साथ निस्तारित करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। बबेरू में पानी की टंकी से लीकेज ठीक कराने के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्र पर अधिशाषी अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम हरदौली में फरियादी द्वारा भूमि पर अवैध कब्जा हटाए जाने के बारे में प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विद्युत बिल संबंधी समस्या के बारे में प्रार्थना पत्र देने पर अधिशाषी अभियंता विद्युत को बिल सुधार करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, उप जिलाधिकारी अंकित वर्मा, पीडी डीआरडीए, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार सहित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 8 को

आज का मुद्दा-बांदा। जिला जज के निदेर्शानुसार विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत प्री व पोस्ट लिटिगेशन मीडिएशन तथा लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के कार्यों के बारे में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अपर जिला जज श्रीपाल सिंह ने की। उन्होने बताया कि 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। जिसमें बैंक ऋण, मोटर एक्ट के चालानी वाद, विद्युत संबंधी विवाद आदि का निस्तारण समझौते के आधार पर किया जाएगा। उन्होने कहा कि पारिवारिक, दांपत्य संबंधी विवाद जिसमें पक्षकार सुलह समझौते के आधार पर विवादों का निस्तारण चाहते हैं वह वाद दायर कर सुलह के आधार पर वादों का निस्तारण करा सकते हैं। सुमन शुक्ला पराविधिक स्वयं सेवक ने कहा कि किसी भी तरह की सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 15100 पर शिकायत दर्ज कर विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उनके द्वारा महिलाओं के साथ यौन शोषण, घरेलू हिंसा से बचाव के बारे में जानकारी दी गयी। शिविर में ज्ञानेन्द्र सिंह, विनोद कुमार, रवीन्द्र, चंद्रकिशोर, राशिद अहमद तथा समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

महिला महाविद्यालय में आयोजित शिविर का समापन

आज का मुद्दा-बांदा। शनिवार को राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। विशेष शिविर को प्राचार्य प्रोफेसर दीपाली गुप्ता के दिशा निर्देशन में किया गया। जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ सबीहा रहमानी, डॉ जयंती सिंह, डॉ नीतू सिंह के द्वारा दलित बस्ती, दरी मोहाल, अहीर मुहल्ले में आयोजन किया गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ सपना सिंह रहीं। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्रा यशी द्विवेदी, अकांक्षा, प्रियांशी, रूखसाना, अदिति ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। दुर्गा ने लोक नृत्य की प्रस्तुति की। समापन की पूर्व संध्या पर कैमरा फायर आयोजित हुआ। जिसके मुख्य अतिथि पुष्पेन्द्र सिंह, डीडी चित्रकूट धाम मंडल बांदा रहे। विशिष्ट अतिथि मनोज सिंह, प्रधानाचार्य बहुवा इंटर कालेज फतेहपुर, संरक्षक के रूप में दीपाली गुप्ता उपस्थित रहीं।

यातायात पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, काटे चालान

आज का मुद्दा-बांदा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात पुलिस का जागरूकता और चेकिंग अभियान लगातार जारी है। इसी के चलते शनिवार को यातायात प्रभारी अनूप कुमार दुबे की टीम ने शहर के बाबूलाल चौराहा में सघन रूप से जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट दो पहिया वाहनों का चालान भी हुआ। चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया। जिन दो पहिया वाहनों में सवार बिना हेलमेट, तीन सवारी, ऐसे वाहनों का चालान किया गया। यातायात प्रभारी ने यातायात नियमों के बारे में चालकों को जानकारी दी। सुरक्षित यातायात और दुर्घटनाएं रोकने के लिए यातायात पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। यातायात प्रभारी ने बताया कि एसपी अंकुर अग्रवाल एवं सीओ ट्रैफिक के निदेर्शों के चलते यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोगों को यातायात नियमों की जानकारी हो सके और लोग सुरक्षित अपने गंतव्य तक सुरक्षित यात्रा कर सकें। यातायात प्रभारी अनूप कुमार दुबे ने कहा कि लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने और यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलता रहेगा।

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हुआ हैक, फैंस को दी सतर्क रहने की चेतावनी

मुंबई । मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को आगाह किया है कि उनका एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस से आग्रह किया कि वे उनके अकाउंट से किए गए किसी भी पोस्ट, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और न ही उन पर क्लिक करें। शनिवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक पोस्ट में श्रेया ने बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट रिकवर नहीं कर पाई हैं। उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट 13 फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटो-जवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं। अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी। इस बीच, श्रेया हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एंटी-ओबेसिटी (मोटापा विरोधी) अभियान का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रही हैं। श्रेया ने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंटी-ओबेसिटी अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खान-पान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें। अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है। इसलिए, छोटे-छोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है। आइए, एक स्वस्थ भारत की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी विरासत होगी। गौरतलब है कि 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिनेता मोहनलाल, आर. माधवन, निरहुआ और गायिका श्रेया घोषाल को इस अभियान में शामिल होने के लिए नामांकित किया था।

पुणे रेप केस का आरोपी गिरफ्तार , डिप्टी सीएम अजित बोले- ऐसी घटनाएं कहीं भी नहीं होनी चाहिए

पुणे। पुणे रेप केस के आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी के लिए ड्रोन, खोजी कुत्तों, 13 पुलिस टीमों और खुफिया विभाग की मदद ली गई। आरोपी पुणे जिले के शिरुर तहसील के गुनात गांव के पास धान के खेत में छिपा हुआ था। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने इस घटना पर बयान दिया और कहा, कि गुरुवार तक लोग सवाल उठा रहे थे कि आरोपी की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। हमने उसे पकड़ने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग किया। वह धान के खेत में छिपा था और उसकी स्थिति ऐसी थी कि उसने आत्महत्या करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सख्त कानून लागू किए जाएंगे और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपी को थर्मल इमेजिंग कैमरों से लैस ड्रोन की मदद से ट्रैक किया। इससे हवाई तस्वीरें प्राप्त हुईं, जिससे पता चला कि आरोपी खेत में छिपा है। आधी रात को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर पुणे सत्र न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 12 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

बिहार में बर्ड फ्लू से कई कौओं की मौत, प्रशासन ने जारी किए सतर्कता के निर्देश

पटना । बिहार के जहानाबाद जिले में हाल ही में हुए असामान्य घटना ने लोगों में चिंता और हलचल मचा दिया है। 18 फरवरी को कई कौओं की मौत का कारण बताया जा रहा है बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5एन1)। जिला प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए सतर्कता के निर्देश जारी किए हैं। आधिकारिकों का कहना है कि कोलकाता स्थित आरडीडीएल संस्थान की जांच रिपोर्ट में मृत कौओं में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। जिले के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने कहा कि प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और बीमार या मृत पक्षियों से दूर रहने की सलाह दी है। इस परिस्थिति को संभालने के लिए परिवारों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है तथा पोल्ट्री फार्मों में सफाई का काम चल रहा है। अगर और मामले सामने आते हैं, तो संक्रमण को रोकने के लिए पक्षियों को मारने का फैसला लिया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों ने बात करते हुए कहा कि घरेलू मुर्गियों में भी संक्रमण का पता चलेगा। प्रभावित क्षेत्रों में दी गई सोडियम हाइपोक्लोराइट की छीड़काव की गई है ताकि वायरस का फैलाव रोका जा सके। विभिन्न उद्यमी इकाइयों और लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की देखभाल के लिए सरकार ने सभी जरूरी कदम उठाने की पुष्टि की है। इस अचानक घटना से स्थानीय जनता में चिंता और अस्त-व्यस्ति महसूस हो रही है और प्रशासन ने स्थिति का त्वरित नियंत्रण करने के लिए संबंधित कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने और निर्माण से हो रहा हिमस्खलन !

नई दिल्ली। उत्तराखंड में कमजोर पहाड़ी पर बर्फ का लोड बढ़ने से हिमस्खलन होता है। हिमस्खलन के बाद चट्टान से बर्फ समेत मलमा, बोल्डर ढलान से नीचे गिरते हैं। ज्यादातर 3000 से 3500 मीटर से की ऊंचाई पर हिमस्खलन होता है।

दिल्ली में महिलाओं के आने वाले हैं अच्छे दिन, इस दिन से मिलना शुरू हो जाएंगे 2,500 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिलाओं को 8 मार्च तक भाजपा सरकार के वित्तीय सहायता कार्यक्रम के तहत 2,500 रुपये प्रति माह मिलना शुरू हो जाएगा। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इसका संकेत दिया था। यह पहल, जो भाजपा का एक महत्वपूर्ण अभियान प्रतिज्ञा थी, महिलाओं को सीधे वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इससे पहले, आप सरकार ने महिला सम्मान योजना शुरू की थी, जिसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक प्रदान किए जाते थे, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 2,100 रुपये करने की योजना है।

दिल्ली महिला एवं बाल विकास विभाग को महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक देने, गर्भवती माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने और गरीब परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पहल के लिए गुरुवार तक प्रस्ताव तैयार करने का काम सौंपा गया है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि महिला सम्मान योजना को महिला समृद्धि योजना के रूप में पुनः ब्रांडेड किया जा रहा है, जिसके लाभार्थियों को अब प्रति माह 2,500 रुपये मिलेंगे, जो कि AAP सरकार द्वारा पहले वितरित किए गए 1,100 रुपये से एक महत्वपूर्ण वृद्धि है।

भाजपा सरकार ने सबसे पहले लाडली बहना योजना शुरू की, जिसने राज्य में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की। तब से पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने इसी तरह की योजनाएं लागू की हैं जो महिलाओं के खातों में सीधे नकद जमा प्रदान करती हैं। 19 फरवरी को भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं रेखा गुप्ता ने महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता को प्राथमिकता देने के निरंतर महत्व पर जोर दिया। दिल्ली चुनावों की अगुवाई के दौरान, AAP ने अपने प्रमुख वादों में से एक के रूप में 2,100 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने का वादा किया था।

दिल्ली को इस महीने 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी : परिवहन मंत्री पंकज सिंह

दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि इस महीने राष्ट्रीय राजधानी को 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि दिल्ली का परिवहन विभाग वर्तमान में 235 करोड़ रुपये के घाटे में है। मंत्री ने कहा कि सरकार एक योजना पर काम कर रही है और उसका लक्ष्य एक साल के भीतर इस क्षेत्र को मुनाफे में लाना है। सिंह ने कहा, ''इस महीने हम दिल्ली में 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें लाएंगे।'' दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में छह कैबिनेट मंत्रियों में शामिल सिंह ने 20 फरवरी को शपथ ली थी। परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के मंत्री सिंह ने दिल्ली की परिवहन प्रणाली को जनता के लिए अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सिंह ने कहा, ''हमें सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने की आवश्यकता है ताकि लोगों को निजी वाहनों पर कम निर्भर रहना पड़े। हमारा पहला कदम दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसें शुरू करना होगा, उसके बाद परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए और सुधार किए जाएंगे।''

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव के बीच हुई झड़प में बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजाला। भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में 28 फरवरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और घुसपैठियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक बीएसएफ जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। जानकारी अनुसार घटना शाम 7:30 बजे की है, जब करीब 20 से 25 बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बीओपी पुटिया क्षेत्र के पास सीमा स्तंभ (बीपी) 2050/7-एस से भारतीय सीमा में प्रवेश किया। ये घुसपैठिए तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। बीएसएफ गश्ती दल ने घुसपैठ रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार छीनने की कोशिश की और हमला कर दिया। हालात बेकाबू होते देख, एक बीएसएफ जवान ने आत्मरक्षा में गैर-घातक पंप एक्शन गन (पीएजी) से गोली चलाई। गोली लगने से एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। इस बीच हुई झड़प में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों ही घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी।

मुंबई में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई

इसी बीच, मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर शिकंजा कसा। डीसीपी डॉ. प्रवीण मुंधे के नेतृत्व में मानखुर्द, वाशी नाका, कलंबोली, पनवेल, ठाणे, कल्याण और मुंब्रा में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। 16 अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए। जिनके खिलाफ पहले रिकॉर्ड नहीं था, उन पर नए केस दर्ज किए गए, जबकि पुराने अपराधियों के मामलों में नए आरोप जोड़े गए।

उद्धव के महाकुंभ नहीं जाने के निकाले जा रहे सियासी मायने

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने जिस विरासत को संभाला है वो कट्टर हिंदुत्व की छवि वाली है। हिंदुओं की संस्कृति और परंपराओं के लिए लगातार लड़ते रहे हैं। लेकिन महाकुंभ में तो विपक्ष से अखिलेश यादव को छोड़ कर कोई भी बड़ा नेता नहीं गया है, लेकिन निशाने पर उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति की वजह से आये हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले तक। रामदास अठावले ने तो उद्धव ठाकरे के साथ साथ राहुल गांधी को भी निशाना बनाया है - लेकिन, राहुल गांधी को निशाना बनाये जाने और उद्धव ठाकरे को टारगेट किये जाने में बड़ा फर्क भी तो है।

उद्धव ठाकरे अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर पूरे लाव लश्कर के साथ अयोध्या गये हुए थे, लेकिन ये कैसे भूल जाते हैं कि उनके महाकुंभ न जाने पर सवाल नहीं उठेंगे। क्योंकि, मुख्यमंत्री तो वो महाविकास आघाड़ी सरकार के ही थे, जिसमें राहुल गांधी की कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी भी शामिल थी। चूंकि सवाल एकनाथ शिंदे ने उठाया है, इसलिए उद्धव ठाकरे ने जवाब भी उनको ही दिया है, ये बात अलग है कि दोनो में से किसी ने भी सीधे सीधे एक दूसरे का नाम नहीं लिया है। अपने हिंदुत्व पर सवाल उठाये जाने पर उद्धव ठाकरे ने भी जवाब दे दिया है, 'गंगा में नहाने से कोई पाप नहीं धुलता है। एकनाथ शिंदे ने महाकुंभ में शामिल नहीं होने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे को लेकर कहा था कि वो खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं। मीडिया के पूछने पर एकनाथ शिंदे ने कहा, जो लोग महाकुंभ में शामिल नहीं हुए, उनसे पूछा जाना चाहिये कि वे हिस्सा क्यों नहीं लियेज कहते रहते हैं कि वे हिंदू हैंज बाल ठाकरे ने नारा दिया था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं, लेकिन अब वे खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं।

दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश होने की चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हुई है। वहीं शनिवार सुबह की शुरुआत भी रिमझिम बारिश से हुई। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। आईएमडी के मुताबिक दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। कई राज्यों में आंधी तूफान के साथ बारिश भी संभावना जताई है।

आईएमडी ने पूर्वोत्तर भारत, असम और पड़ोसी राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसा बंगाल की खाड़ी के ऊपर विकसित हो रहे चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में हल्की बारिश होने की संभावना है, साथ ही कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। दो मार्च से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर पश्चिम भारत को और ज्यादा प्रभावित करने की उम्मीद है।

वहीं मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में बारिश और बर्फबारी होने की उम्मीद है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की उम्मीद है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब और हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी आशंका है।

वहीं दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों की बात करें तो तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बारिश हो सकती है। इनमें से कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन की संभावना के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में हल्की बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश हो सकती है।

उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को रमजान के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति का निर्देश दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बिजली विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि रमजान के महीने में सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। मुख्यमंत्री ने रविवार से शुरू हो रहे रमजान के महीने के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि लोग अपनी निर्वाचित सरकार से यह उम्मीद करते हैं कि इस पाक महीने के दौरान उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चूंकि कल से रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है, इसलिए लोगों को पूरी उम्मीद है कि सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी ताकि इस पवित्र महीने के दौरान उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।'' अब्दुल्ला ने निर्देश दिया, ''लोग चाहते हैं और हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि सहरी और इफ्तार के समय बिजली कटौती न हो। किसी भी आवश्यक कटौती की योजना अच्छी तरह से बनाई जानी चाहिए और उचित समय-सारिणी के अनुसार दिन के समय कटौती की जा सकती है। जहां भी आवश्यक हो, रखरखाव कार्य भी दिन के समय ही किए जाने चाहिए।''

उन्होंने अधिकारियों को व्यवधानों से बचने के लिए सिस्टम संबंधी समस्याओं या दोषपूर्ण ट्रांसफॉर्मर का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया। जलापूर्ति के बारे में अब्दुल्ला ने कहा कि हाल में हुई बर्फबारी और बारिश से स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन उन्होंने घरों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''अल्लाह की कृपा से पिछले कुछ दिनों में हुई बारिश इस संबंध में लाभदायक रही है।''

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को साफ-सफाई, खास तौर पर मस्जिदों और धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने का निर्देश दिया।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के अवैध खनन के आरोप निराधार और तथ्य से परे : खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार

जनवरी से अब तक 13,282 वाहनों की जांच की गई है, 575 वाहनों को किया गया जब्त : कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़, 1 मार्च(संजय राय ,ब्यूरो आज का मुद्दा) हरियाणा के खनन एवं भू विज्ञान मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा सरकार की मिलीभगत से प्रदेश के 14 जिलों में हो रही अवैध खनन के बयानों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोप निराधार और तथ्य से परे हैं। कांग्रेस नेता केवल झूठ बोलकर लोगों को बरगलाने का काम करते हैं।

श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि सरकार की छवि को धूमिल करने के लिए अवैध खनन में राज्य सरकार की संलिप्तता के ऐसे बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वयं चरखी दादरी के पिचोपा कलां का दौरा किया तथा वहां अवैध खनन का कोई निशान नहीं पाया। उन्होंने कहा कि रणदीप सुरजेवाला द्वारा बताए गए 14 जिलों में से कैथल जैसे जिले में साधारण मिट्टी के अलावा कोई भी महत्वपूर्ण खदान या लघु खनिज नहीं है तथा उन जिलों में भी अवैध खनन को रोकने के लिए नियमित प्रयास किए जा रहे हैं।

जनवरी से अब तक 13,282 वाहनों की जांच की गई है, 575 वाहनों को किया गया जब्त

मंत्री ने कहा कि विभाग के अधिकारियों को अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए तीन स्तरीय नेटवर्क बनाने के लिए संबंधित उपायुक्तों को पहले ही निर्देश दिए हैं, जिसमें नाका/चेक पोस्ट, फ्लाइंग स्क्वॉड शामिल हैं। यमुनानगर जिले में पहले से ही 16 नाके लगाए गए हैं। यहां तक कि मुख्यालय से टीमों को भी विभिन्न जिलों में अवैध खनन की जांच के लिए भेजा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जनवरी माह से अब तक फील्ड अधिकारियों द्वारा जांच के दौरान 13,282 वाहनों की जांच की गई है और 575 ऐसे वाहनों को जब्त किया गया है जो अवैध रूप से खनन सामग्री/बिना ई-रवाना के ले जा रहे थे। इसके अलावा, उपायुक्तों को अवैध खनन पर कड़ी निगरानी रखने और अवैध खनन की शिकायत/इनपुट मिलने पर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि उपायुक्तों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे पुलिस जांच चौकियों को सुदृढ़ करें और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के लिए गश्त तेज करें। खनन गतिविधियों की निगरानी बढ़ाने के लिए विभाग ने पहले ही कई कदम उठाए हैं। विभाग ने पुरानी ई-रवाना प्रणाली को एनआईसी द्वारा विकसित नए एचएमजीआईएस पोर्टल से बदल दिया है, जो पिछली प्रणाली की सभी खामियों को दूर करता है। अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए नई ई-रवाना प्रणाली को अब सीसीटीवी कैमरों और तौल कांटों के साथ एकीकृत किया गया है।

अवैध खनन से निपटने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स और राज्य स्तरीय टास्क फोर्स कर रही काम

खनन मंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। सरकार दोषियों को सजा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से निपटने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स (डीएलटीएफ) और राज्य स्तरीय टास्क फोर्स (एसएलटीएफ) का गठन किया हुआ है। वर्तमान में, जिला स्तरीय टास्क फोर्स में शामिल सभी विभाग अवैध खनन और अवैध रूप से खनन किए गए खनिजों के परिवहन पर भी निगरानी रख रहे हैं। डीएलटीएफ टीमों को पहले ही तैनात किया जा चुका है और उन्हें फिर से विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें अवैध खनन में शामिल व्यक्तियों, विशेष रूप से खदानों, स्टोन क्रशर और नदी के किनारे स्क्रीनिंग प्लांटों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि राज्य सरकार ने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो का गठन किया है। हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो और संबंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को भी अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि एचएसईएनबी पुलिस की मदद से और ग्राम पंचायतों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को शामिल करके कानून प्रवर्तन को मजबूत किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने राज्य भर में सभी चालू खनन स्थलों का ड्रोन सर्वेक्षण करने के लिए ड्रोन इमेजिंग और सूचना सेवाओं हरियाणा लिमिटेड को कार्य आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि एचएआरएसएसी से नूंह क्षेत्र में भूमि की सतह में हुए बदलावों पर उच्च रिजॉल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। यह अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

देशभर की अदालतों में 5.2 करोड़ मामले लंबित: न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय प्रक्रिया धीमी हो रही है और न्याय मिलने में देरी हो रही है। देश की न्यायपालिका तीन स्तरों पर काम करती है-सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला अदालतें। इन अदालतों में मामले मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- सिविल और आपराधिक।वर्ष 2025 में, देशभर में 5.2 करोड़ (52 मिलियन) से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 1.8 लाख से अधिक मामले 30 साल से अधिक समय से लंबित हैं। सबसे अधिक 4.5 करोड़ मामले (85प्रतिशत) सिर्फ जिला अदालतों में लंबित हैं।

हालांकि मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए सरकार और न्यायपालिका विभिन्न उपायों पर विचार कर रही हैं, जिनमें डिजिटल कोर्ट सिस्टम, वैकल्पिक विवाद समाधान, लोक अदालतों को बढ़ावा देना, और न्यायधीशों की संख्या में वृद्धि शामिल हैं। हालांकि, जब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक न्याय मिलने में देरी बनी रहेगी और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत में लंबित मामलों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। कई न्यायाधीशों और सरकारी अधिकारियों ने इसे भारतीय न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी चुनौती करार दिया है। नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार, यदि उसी गति से मामलों का निपटारा होता रहा, तो पूरा बैकलॉग खत्म करने में 324 साल लग सकते हैं।वर्तमान में न्याय मिलने में हो रही देरी के गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। 2022 में बिहार की एक अदालत ने एक व्यक्ति को सबूतों के अभाव में हत्या के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन वह पहले ही 28 साल जेल में बिता चुका था।देश में लंबित मामलों में भूमि और संपत्ति विवाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं। कुल लंबित मामलों में से 20 प्रतिशत भूमि और संपत्ति से जुड़े हुए हैं, जो कि सभी सिविल मामलों का 66 प्रतिशत है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निपटाए गए 25 प्रतिशत मामले भूमि विवादों से जुड़े होते हैं।

संस्कार लोक गुरुकुलम् ने किया प्रख्यात साहित्यकार व अध्यात्मविद् डॉ. गोपाल चतुर्वेदी को सम्मानित

आज का मुद्दा-वृन्दावन। चैतन्य विहार फेस-2 क्षेत्र स्थित संस्कार लोक गुरुकुलम् में संपन्न हुए अष्टदिवसीय चतुर्थ वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत नगर के प्रख्यात साहित्यकार, अध्यात्मविद् व समाजसेवी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी का उनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक लेखन के लिए सम्मान किया गया।यह सम्मान उन्हें संस्कार लोक गुरुकुलम् के संस्थापकाध्यक्ष भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री ने प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके किया। भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा कि साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने अपनी लखनी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राचीन सनातन संस्कृति का प्रचार-प्रसार कर असंख्य व्यक्तियों को सनातन धर्म से जोड़ने की ओर अग्रसर किया है। साथ ही उनकी लेखनी से सनातन धर्म के गौरव में वृद्धि हुई है।उनका सम्मान कर संस्कार लोक गुरुकुलम् परिवार अत्यधिक आनंद की अनुभूति कर रहा है। इस अवसर पर श्रीमती मीरा - सुरेन्द्र अग्रवाल, श्रीमती बीनू - दीपक मुरारका, विशेष सहयोगी भक्तिमती सुशील गुप्ता, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, भक्तिमती मीरा केडिया एवं श्रीमती सुमन तथा समस्त गोपिका मण्डल (बैंगलुरु) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

रिसिया एन एस एस कैंप में साइबर सेल की जानकारी दी गई

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

रिसिया बहराइच ,बंगाल चक के जहान चक स्थित प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवे दिन छात्र और छात्राओं को साइबर क्राइम से संबंधित जानकारी दी गई। गायत्री विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से आयोजित एन एस एस शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डा राम जनम ने साइबर क्राइम से संबंधित जानकारी बच्चो से साझा किया। उनसे होने वाले नुकसान से बचने के उपाय भी बताए। प्राचार्य प्रो दिव्य दर्शन तिवारी ने जिले में साइबर सेल और महिला थाना के स्थापित होने की जानकारी दी,और साइबर सेल अधिकारी का नंबर भी उपलब्ध कराया। इस अवसर पर डा मुकेश श्रीवास्तव, डा दया राम यादव,डा मुरारी लाल श्रीवास्तव, रीति मुरारी,उमेश वर्मा,डा आशुतोष त्रिपाठी,सुबी खान,नंदन श्रीवास्तव सहित मौजूद रहे

बहराइच गर्भवती महिलाओं की डीएम ने की गोदभराई

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 01 मार्च। तहसील मिहींपुरवा(मोतीपुर) में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का जिलाधिकारी मोनिका रानी ने निरीक्षण करते हुए आईसीडीएस विभाग द्वारा लगाये गये स्टाल पर 02 गर्भवती महिलाओं रीना देवी व रीता की गोद भराई की तथा 02 बच्चों माया व मीरा को अन्नप्रासन कराया।

किसानों को सस्ता और आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार की नई पहल

पंचकूला 1 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--केंद्रीय बजट 2025-26 में भारत के अन्नदाता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे सरकार की कृषि विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। कृषि को दस प्रमुख विकासात्मक क्षेत्रों में शामिल किया गया है, जो भारत की आर्थिक प्रगति को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण इंजन है। केंद्रीय बजट 2025-26 घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए "कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार" (Post-Budget Webinar on Agriculture & Rural Prosperity) आयोजित किया गया। उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिया गया और कृषि और किसान कल्याण विभाग के विभिन्न विभागों के सचिवों की अध्यक्षता में किया गया। प्रतिभागियों में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ-साथ आरबीआई , नाबार्ड , अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक , क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक , राज्य सहकारी और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एसटीसीबी और डीसीसीबी- , राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियां , कृषि विकास केंद्र और देश के कोने-कोने से आए किसान शामिल रहे। जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में भी बताया गया है, 31.3.2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी-KCC) के खाते हैं। अल्पकालिक ऋण जरूरतों को पूरा करके केसीसी योजना ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केसीसी-संशोधित ब्याज अनुदान योजना (केसीसी-एमआईएसएस) किसानों को 4 प्रतिशत की प्रभावी रियायती ब्याज दर पर ऋण दे रही है। किफायती ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक ने जमानत-मुक्त के सी सी ऋण को 1.6 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया है। एक बड़े कदम के रूप में, केंद्रीय बजट 2025-26 ने संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया है। इस कदम से छोटे और सीमांत किसानों पर वित्तीय तनाव कम होने के साथ-साथ कृषि में अधिक निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इससे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसानों की बढ़ी हुई कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। सरकार ने पिछले दशकों में ब्याज सहायता योजना के माध्यम से किसानों को 1.44 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इन पहलों के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य 2023-24 में कृषि अल्पकालिक ऋण को 9.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2029-30 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। एल डी एम पीएनबी गजल शर्मा ने बताया कि इन उपायों के जरिए सरकार न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की सुलभता बढ़ा रही है, बल्कि किसानों को वित्तीय स्वतंत्रता भी दे रही है। जैसे-जैसे यह पहल पूरे देश में लागू होगी, इसमें भारत में कृषि ऋण को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि समय पर और किफायती ऋण उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

बहराइच डीएम की अध्यक्षता में तहसील मिहींपुरवा में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 01 मार्च। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में माह मार्च के प्रथम शनिवार को तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीएम ने अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी व उप जिलाधिकारी अश्वनी कुमार पाण्डेय के साथ आये हुए फरियादियों की समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई की और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया मौके पर जाकर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस में वन विभाग का कोई अधिकारी उपस्थित न रहने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए प्रभागीय वनाधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान थाना मोतीपुर अन्तर्गत लालपुर चांदझारा में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत प्राप्त होने पर डीएम ने एसडीएम व पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिया कि संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करायें। इस सम्बन्ध में डीएम ने एसडीएम व सीओ को निर्देश दिया कि सरकारी भूमि पर कब्जे की शिकायत के सम्बन्ध में स्थलीय निरीक्षण के दौरान यह अवश्य देखा जाय कि सम्बन्धित द्वारा एक बार कब्जा हटाये जाने के बाद दोबारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों से भूमि को मुक्त कराये जाने के साथ-साथ सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाय।सम्पूर्ण समाधान दिवस में अन्त्योदय कार्ड में नाम बढ़ाने के लिए आयी एक बीमार महिला तथा निराश्रित महिला पेंशन के लिए आयी बुजुर्ग

महिला के प्रार्थना-पत्रों पर सुनवाई करते हुए डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी व जिला प्रोबेशन अधिकारी को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए पीड़ित व्यक्तियों को राहत पहुंचायें। डीएम ने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, जरूरतमन्द तथा असहाय लोगों की हर संभव मदद की जाय तथा उन्हें उनकी पात्रता के अनुसार लाभान्वित भी किया जाय। डीएम मोनिका रानी ने आसन्न होली व रमजान त्योहारों के दृष्टिगत थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि थाना अन्तर्गत समस्त डी.जे. संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें सेलेक्टेड गानों की सूची उपलब्ध करा दें तथा शासन द्वारा जारी गाईड लाइन से अवगत करा दिया जाय। सभी थानों पर डी.जे. संचालकों के नाम, पते व मोबाइल नम्बर की सूची रखी जाय। डीएम ने तहसील प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि समकक्ष पुलिस अधिकारियों के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर सामान्य, संवेदनशील व अति संवेदनशील क्षेत्रों के रूप में चिन्हित कर कानून एवं शान्ति व्यवस्था के लिए फुलप्रूफ कार्ययोजना तैयार कर लें। डीएम ने निर्देश दिया कि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी संयुक्त रूप से क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों से संवाद कर क्षेत्र की संवेदनशीलता के बारे में जानकारी प्राप्त करें तथा यदि कहीं पर कोई विवाद है तो उसका समाधान करायें। डीएम द्वारा त्योहारों के अवसर पर नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक स्थलों, जुलूस मार्गों व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की पर्याप्त साफ-सफाई के साथ-साथ जलापूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति के माकूल बन्दोबस्त सुनिश्चित करने निर्देश दिये गये। डीएम ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि एलर्ट मोड पर रहते हुए विभागीय सेवाओं की उपलब्धता बनाये रखें। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ स्थानीय फाल्ट को दुरूस्त करने हेतु पूर्व से ही टीमों का गठन कर दिया जाय तथा उपभोक्ताओं की ओर से शिकायत मिलने पर त्वरित कार्यवाही करें। उल्लेखनीय है कि तहसील मिहींपुरवा(मोतीपुर) में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में यहां पर प्राप्त हुए 22 प्रार्थना-पत्रों में से 05 का निस्तारण मौके पर किया गया। इसी प्रकार तहसील सदर बहराइच में प्राप्त 16 के सापेक्ष 02, कैसरगंज में प्राप्त 78 के सापेक्ष 06, नानपारा में प्राप्त 29 के सापेक्ष 04, पयागपुर में प्राप्त 76 के सापेक्ष 07 व महसी में प्राप्त 23 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्षगण मौजूद रहे।

बहराइच खूनी संघर्ष जमीनी विवाद में गोली मारकर ग्रामीण की हत्या, एक ही परिवार के 4 घायल, जानें क्या बोली पुलिस

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच यूपी के बहराइच जिले के गौर गांव में शुक्रवार दोपहर में सड़क पर खूंटा गाड़ने का विरोध करने पर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने फायरिंग की। जिसमें एक ग्रामीण की मौत हो गई। जबकि एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव में पुलिस बल तैनात कर दी गई है। हुजूरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौर घोसियाना गांव में इसराइल और सगीर के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। शुक्रवार दोपहर में इसराइल के परिवार का मुफीद (25) पुत्र मुबारक बाइक से अपने घर आ रहा था। सड़क पर खूंटा लगाने और मवेशी बांधने का मुफीद ने विरोध शुरू किया। इतने में विवाद शुरू हो गया। लाठी, फरसा से हमला करने के साथ अवैध तमंचा से फायरिंग की गई। जिसमें

पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में दोपहर तीन बजे इलाज शुरू होते ही इसराइल (42) पुत्र हबीब की मौत हो गई। जबकि मारपीट और गोली लगने से मैनुद्दीन (38) पुत्र हबीब, मृतक का बेटा तौफीक (21), मुफीद (25) पुत्र मुबारक और सोनू (24) पुत्र इसराइल का इलाज चल रहा है।

मृतक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा और सीओ रवि पोखर मौके पर पहुंचे। गांव में भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि दूसरे पक्ष के भी कई लोग घायल हैं।

होली महोत्सव के अंतर्गत संत-महात्माओं, निर्धन-निराश्रितों एवं अवश्यतामंद भक्तजनों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन । छीपी गली स्थित प्राचीन श्रीप्रिया वल्लभ कुंज में श्रीहित उत्सव चेरिटेबल ट्रस्ट, धीर समीर कुंज (श्याम कुटी-परिक्रमा मार्ग) के तत्वावधान में चल रहे होली महोत्सव के अंतर्गत संत-महात्माओं, निर्धन-निराश्रितों एवं अवश्यतामंद भक्तजनों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया।

संस्थान के संस्थापकाध्यक्ष श्रीहित ललित वल्लभ नागार्च ने कहा कि हमारा संस्थान ब्रज के प्राचीन सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक उत्सवों के लिए पूर्ण समर्पित है। जिसमें प्राचीन पांडुलिपि संरक्षण, बीमारों के लिए औषधि, विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री प्रदान करना एवं वृक्षारोपण के लिए समर्पित है।

इस अवसर पर श्रीमती कुसुम-संतोष अग्रवाल, मनोज बिंदु अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, रसिक वल्लभ नागार्च, हितवल्लभ नागार्च, हर्ष शर्मा, जितेंद्र सेन, श्रीमती कमला देवी नागार्च, श्रीमती अलका नागार्च, श्रीमती ऋचा नागार्च, श्रीमती शेषाद्रि नागार्च,

कीर्ति नागार्च , हितानंद नागार्च, रासबिहारी मिश्रा, तरुण मिश्रा, जुगलकिशोर शर्मा, भरत किशोर शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। ट्रस्ट के संरक्षक आचार्य विष्णुमोहन नागार्च ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बहराइच डीएम मोनिका रानी ने 02 परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 01 मार्च। जिले में प्रथम पॉली में संचालित हाईस्कूल की गणित विषय की बोर्ड परीक्षा का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने तहसील नानपारा अन्तर्गत श्री शंकर इण्टर कालेज नानपारा व अवध बिहारी मेमोरियल इण्टर कालेज भवनियापुर मटेरा का औचक निरीक्षण करते हुए परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापकों व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अवध बिहारी इण्टर कालेज के निरीक्षण के दौरान डीएम ने केन्द्र व्यवस्थापक को निर्देश दिया कि परीक्षा कक्ष में प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर किया जाये ताकि छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डीएम मोनिका रानी ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्षों के अतिरिक्त सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम, प्रश्न पत्र व उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गये स्ट्रांग रूम का अवलोकन करते हुए केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व शासन की मंशानुसार पूरी शुचिता के साथ बोर्ड परीक्षा को सम्पन्न कराया जाय। नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जायेगा परन्तु परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक व जोनल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि निरन्तरता के साथ परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण करते रहें।

खेल नीति की बदौलत हरियाणा बड़े-बड़े खेलों की कर रहा मेजबानी : कृष्ण कुमार बेदी

पंचकूला - 2 मार्च - (शशि किरण अरोड़ा) -- आज का मुद्दा--हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि हरियाणा सरकार की खेल नीति की बदौलत हरियाणा न केवल बड़े-बड़े खेलों की मेजबानी कर रहा है बल्कि देश एवं विदेश में भी विश्व स्तर पर मेडल जीत कर खेलों में अपनी विशेष पहचान कायम की है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर वूमेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों के। सुखद परिणाम आ रहे है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इस पावन धरा पर आज देश भर की 30 महिलाओं की टीम में भाग ले रही है और यह टूनामेंट लगातार 12 मार्च तक चलेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने 15वीं नेशनल सीनियर महिला हॉकी टूनामेंट के शुभारंभ की घोषणा की और गुब्बारा हवा में उड़ाकर आगाज किया। उन्होंने इस मैच का देखकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की और फेडरेशन और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने पांडिचेरी और जम्मू कश्मीर के बीच मुकाबला भी शुरू करवाया और खिलाड़ियों से परिचय लिया। इस दौरान फेडरेशन की ओर से पटाखे चलाकर, ढोल नगाड़ों के साथ खेलों की बहुत ही शानदार शुरूआत हुई। हॉकी खेलो के पहले दिन हुए मुकाबले में तेलंगाना ने राजस्थान को तीन - एक से हराया। इसके अलावा उत्तराखंड ने बिहार को 3- 0 दिल्ली ने चंडीगढ़ को 4 - 1, छत्तीसगढ़ ने हिमाचल को पांच - एक , केरल ने गुजरात को 10 - एक तथा आंध्र प्रदेश में अरुणाचल को 9- 0 से हराया। इस अवसर पर हरियाणा हॉकी फेडरेशन के बलदेव सिंह, मुख्यमंत्री के ओ एस डी पब्लिसिटी गजेन्द्र फोगाट, जनरल सेक्रेट्री सुनील मालिक, इवेंट कोड़ीनेटर पुनीत सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय सांसद खेल महाकुंभ उद्घाटन - सांसद आनंद गोंड

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच सांसद खेल महाकुंभ लोकसभा क्षेत्र-56 बहराइच के अन्तर्गत आज दिनांक 01 मार्च 2025 को महसी तहसील पर बड़नापुर ब्लाक मुख्यालय के सामने तेजवापुर में जिला स्तरीय बालक/बालिकाओं की एथलेटिक्स, कबड्डी, वालीबाल एवं खो-खो खेल का आयोजन भव्यतापूर्ण कराया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ आनन्द कुमार गोड़, माननीय सांसद, लोकसभा क्षेत्र-56, बहराइच द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप ब्लाक प्रमुख के प्रतिनिधि के रूप मे श्री रमाकर पाण्डेय जी उपस्थित रहें। अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियो को बुके देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महाकुम्भ खेल प्रतियोगिता में आयोजित विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं उनका उत्साहवर्धन किया।

उपर्युक्त प्रतियोगिताओं में बलहा एवं महसी ब्लाक के लगभग 250 खिलाड़ियो ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैच में परिणाम निम्नलिखित रहाः-खो-खो बालक वर्ग में महसी बनाम तेजवापुर के मध्य हुआ जिसमें महसी टीम

विजयी रही, खो-खो बालिका वर्ग में तेजवापुर बनाम महसी के मध्य हुआ जिसमें तेजवापुर टीम विजयी रही, कबड्डी बालक वर्ग में महसी बनाम तेजवापुर के मध्य हुआ जिसमे महसी विजयी रही, कबड्डी बालिका वर्ग में तेजवापुर बनाम महसी के मध्य किया गया जिसमें तेजवापुर विजयी रही, वालीबाल बालक वर्ग में तेजवापुर बनाम महसी के मध्य हुआ जिसमें तेजवापुर विजयी रही एवं वालीबाल बालिका वर्ग में तेजवापुर बनाम महसी के मध्य हुआ जिसमें महसी विजयी रही है। 100 मी0 में प्रथम रवि सिंह महसी द्वितीय फरमान अली तेजवापुर तृतीय खुशीराम महसी व बालिका वर्ग में प्रथम साक्षी

तेजवापुर द्वितीय चॉदनी महसी तृतीय रोशनी तेजवापुर स्थान प्राप्त किया। 200 मी0 में बालक वर्ग में प्रथम मो0 दिलशान महसी द्वितीय फरमान अली तेजवापुर तृतीय मोनू महसी व बालिका वर्ग में प्रथम चाँदनी महसी द्वितीय मीना तेजवापुर तृतीय साक्षी तेजवापुर विजयी रही। 400 मी0 बालक वर्ग में प्रथम शिवा कश्यप द्वितीय लखविन्दर सिंह तृतीय ऋषि मिश्रा व बालिका वर्ग में प्रथम साक्षी पाल द्वितीय तरन्नुम बानो तृतीय कलावती स्थान प्राप्त कर विजयी रही है। 800 मी0 बालक वर्ग में प्रथम शिवा कश्यप महसी द्वितीय फरमान अली तेजवापुर तृतीय लखविन्दर सिंह महसी व बालिका वर्ग में प्रथम साक्षी पाल तेजवापुर द्वितीय तरन्नुम बानो महसी तृतीय कलावती तेजवापुर ने स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता में बी0डी0ओ तेजवापुर, खेल शिक्षक जगदीश प्रसाद, विनोद यादव, अजय सरोज, पंकज कुमार, राजकुमार, प्रमोद कुमार, राकेश पासवान, मो0 आरिफ, चन्दन कुमार, देवेन्द्र कुमार, प्रदीप, अवधेश कुमार आदि शिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहें।

अन्त में क्रीड़ा अधिकारी बहराइच द्वारा आये हुये समस्त अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का आभार प्रकट किया।

सख्या एवं दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि-निम्नलिखित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1-जिला सूचना अधिकारी,बहराइच।

2-सम्पादक/पत्रकार हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण,अमर उजाला, राष्ट्रीय सहारा डेली न्यूज, आज का मुद्दा, आज का भारत लाइव, तथा अन्य को इस

अनुरोध के साथ प्रेषित कि उक्त खेल सूचना अपने दैनिक समाचार पत्रों मे निःशुल्क प्रकाशित करने का कष्ट करे।

पुष्पोत्सव 2025 : दूसरे दिन उमड़ी भारी भीड़, लेजर शो में दिखा ग्रेटर नोएडा का भविष्य

आज का मुद्दा नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सम्राट मिहिर भोज पार्क (सिटी पार्क) में आयोजित पुष्पोत्सव-2025 के दूसरे दिन शनिवार को बड़ी संख्या में दर्शकों ने भाग लिया। इस भव्य पुष्प प्रदर्शनी ने दर्शकों को विविध प्रकार के फूलों, आकर्षक पुष्प डिजाइनों, लैंडस्केपिंग, बच्चों की फूल-पत्तों से सजी फैशन प्रदर्शनी, साइंस मॉडल प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से आकर्षित किया।

प्रदर्शनी में स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस आयोजन की भव्यता में चार चांद लगाए। पुष्पोत्सव का मुख्य आकर्षण शाम 7 से 9 बजे तक आयोजित लेजर लाइट एंड साउंड शो रहा, जिसमें गौतम बुद्ध नगर के गौरवशाली इतिहास को लेजर लाइट और ध्वनि के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस शो में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक ग्रेटर नोएडा तक के ऐतिहासिक स्थलों और घटनाओं का चित्रण किया गया। त्रेता युग में रामायण काल से जुड़ा बिसरख गांव, महाभारत काल में गुरु द्रोणाचार्य का आश्रम और गौतम बुद्ध नगर का आधुनिक विकास प्रमुख रूप से दशार्या गया। 1990 के दशक में उत्तर प्रदेश सरकार के ग्रेटर नोएडा को औद्योगिक और शैक्षणिक हब के रूप में विकसित करने के बाद यह शहर आज देश

के प्रमुख औद्योगिक और शैक्षणिक केंद्रों का हब बन चुका है। गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी और गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जैसे संस्थानों ने युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उज्जवल भविष्य के अवसर प्रदान किए हैं।इसके अलावा, इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और भारतीय एक्सपो मार्ट जैसी योजनाएं शहर के विकास की शानदार मिसाल हैं। ग्रेटर नोएडा की ग्रीन सिटी पहल के तहत शहरीकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।सम्राट मिहिर भोज पार्क, ग्रीन बेल्ट, सूरजपुर वेटलैंड और तालाबों का सौंदर्यीकरण शहर के सतत विकास को दिखाता है। सूरजपुर वेटलैंड में 186 प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। इनमें प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं।

मैरीगोल्ड को थीम फूल के रूप में चुना

एसीईओ लक्ष्मी वीएस ने बताया कि इस वर्ष पुष्पोत्सव 2025 में गेंदा (मैरीगोल्ड) को थीम फूल के रूप में चुना गया है। गेंदा फूल को सूर्य की शक्ति, प्रकाश और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। भारतीय समाज में यह फूल आशा, प्रेम, सफलता और पवित्रता का प्रतीक है। इसका पूजा-पाठ, सजावट एवं उत्सवों में विशेष स्थान है। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस के मार्गदर्शन में उद्यानिकी विभाग की टीम और अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की गई। यह आयोजन न केवल एक प्रदर्शनी है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक भी है।

न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की

आज का मुद्दा-नोएडा। न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को एक विज्ञान प्रदर्शनी और सामाजिक मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्या डा श्वेता त्यागी के नेतृत्व में विज्ञान शिक्षक एकांश दीक्षित व शिक्षिका अनिता शर्मा ने किया वहीं भाषण प्रतियोगिता का आयोजित सुषमा झा ने किया।

इस मौके पर श्वेता त्यागी ने कहा कि आज विज्ञान बहुत आगे बढ़ चुका है हमें सिर्फ पढ़कर ही नहीं बल्कि उसे प्रयोगात्मक तरीके से समझना चाहिए। स्कूल प्रबंधक दिवाकर त्यागी ने कहा कि समाज में आजकल कई मुद्दे हैं जिसपर बात करना बेहद जरूरी हैं जिनके बारे में बच्चों में जागरूकता होनी चाहिए।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने अपने विभिन्न वैज्ञानिक परियोजनाओं और प्रयोगों का प्रदर्शन किया, जिन्होंने आए हुए लोगों का मन मोह लिया जिनकी आए हुए

अभिभावक व आमजन ने खूब सराहना की।इसके अलावा, सामाजिक मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए।निर्णायक समिति में तथास्तु फाऊंडेशन की अध्यक्षा तनुश्री दत्ता व उनकी टीम शामिल थीं। इसके अलावा, कार्यक्रमों का निरीक्षण एसएससीए की अध्यक्ष विमलेश शर्मा ने किया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपने विचारों और सुझावों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना था। सभी ने बच्चों के कार्य को बहुत सराहा।इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक रंजना तिवारी प्रीति गौरव और विष्णु गुप्ता के साथ अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

गांव के लोगों के लिए जेवर एयरपोर्ट बना नासूर, 203 दिन से धरना दे रहे ग्रामीणों ने सीएम योगी से मांगी मदद

आज का मुद्दा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में बन रहा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रन्हेरा गांव के लिए सिरदर्द बन गया है। गांव में रहने वाले लोग एयरपोर्ट को नासूर कहने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। दरअसल, जेवर एयरपोर्ट के चलते विस्थापित रन्हेरा गांव के ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। ग्रामीण पिछले करीब 203 दिन से धरने पर बैठे हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

रन्हेरा गांव निवासी ब्रजपाल का कहना है कि हम शान्ति पूर्ण सांकेतिक धरना दे रहे हैं। शासन और प्रशासन को उनकी मांगों को लेकर मौन अवस्था में है। अधिकारी उनकी बात को सुनना ही नहीं चाहते हैं। ग्रामीण कई बार अपनी मांगो को से प्राधिकरण अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं। लेकिन अधिकारियों ने आज तक उनकी जायज मांगों को पूरा नहीं किया है। बस इसी मजबूरी के चलते ग्रामीणों को धरना देना पड़ रहा है।

बाढ़ की वीडियो वायरल होने पर दौड़े थे अधिकारी

ग्रामीणों ने बताया कि सितंबर 2024 में प्राधिकरण की लापरवाही के चलते गांव जलमग्न हो गया था। इस घटना की सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई थी। जिसके बाद प्राधिकरण और दूसरे विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया था। ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना के बाद से अधिकारियों का कुछ आता पता नहीं है। वह कई बार अधिकारियों की चौखट पर हाजिरी लगा चुके हैं, लेकिन सुनवाई के नाम पर निल बटे सन्नाटा है। अब सीएम योगी से उन्होंने गुहार लगाई है।

ग्रामीणों की मांगें

1. घर घेर के बराबर प्लॉट दिया जाए।
2. न्यूनतम 100 मीटर प्लॉट दिया जाए।
3. प्रभावितों को रोजगार दिया जाए।
4. रोजगार प्रभावित होने के एवज में 12 लाख रुपए दिए जाएं।
5. मुआवजे के पैसे से घर जमीन खरीदने पर स्टाम्प शुल्क से मुक्ति
6.अन्य छोटी मोटी प्रशासनिक भूलों में सुधार हो

रन्हेरा बनेगा रणहेरा

ग्रामीणों ने बताया कि वह अपनी पुरखों की जमीन प्राधिकरण को दे रहे हैं। अगर इसके एवज में ग्रामीण प्राधिकरण से कोई मांग कर रहे हैं तो उन्हें सुनना चाहिए। अगर ऐसा ही चलता रहा तो रन्हेरा जल्द ही रणहेरा गांव में बदल जाएगा। इसके बाद अगर कुछ होता है तो इसके जिम्मेदार प्राधिकरण के अधिकारी खुद होंगे।

सिलेंडरों के धमाके से सहमे ग्रेटर नोएड वेस्ट के लोग, कुछ घंटों के लिए थम गई सांस

आज का मुद्दा-नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में शुक्रवार रात ऐस सिटी (Ace city Society) सोसायटी के पास लगने वाली मार्केट में आग लग गई। कुछ ही देर बाद दुकानों में लगे सिलेंडरों ब्लास्ट होकर फटने लगे, जिससे लोग सहम गए। घटना की सूचना फायर डिपार्टमेंट को दी गई। मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस घटना को लेकर गौतमबुद्ध नगर सीएफओ ने बताया कि मार्केट में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना है। आग के कारण दुकानों में रखा काफी सामान जल गया। आग लगने से दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जल गया। उन्होंने बताया कि आग से किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

दुकानों में रखे सिलेंडर हुए ब्लास्ट

बताया जा रहा है कि दुकानों में सिलेंडर रखे हुए थे। आग की चपेट में सिलेंडर भी आ गए। लोगों ने बताया कि थोड़ी-थोड़ी देर में सिलेंडर में ब्लास्ट होने लगा। एक के बाद एक तीन ब्लास्ट हुए। डर के कारण लोग पीछे हट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते फायर कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। अगर कुछ देर हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट 25 से ज्यादा अवैध मार्केट

बताया जाता है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विभिन्न सोसायटियों के पास 25 से ज्यादा मार्केट लगती हैं। सभी मार्केट अवैध रूप से संचालित हो रही हैं। प्राधिकरण और पुलिस समय - समय पर इन पर कार्रवाई करते रहते हैं। लेकिन मामला पुराना होने पर ये मार्केट दोबारा लग जाती है।

53 लाख की लूट में 4 गिरफ्तार, नौकर ने महिला को बनाया था बंधक

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर-61 में रियल स्टेट कारोबारी की पत्नी को घर में बंधकर बनाकर डकैती करने वाले गैंग को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस गैंग से लूटे गये 10 लाख 70 हजार रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस का दावा है कि बिहार राज्य के इस खतरनाक गैंग ने कारोबारी के घर डकैती की घटना को अंजाम दिया था।

नोएडा के सेक्टर-61 में 22 फरवरी को रियल एस्टेट कारोबारी के घर पर पत्नी को बंधक बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम देते हुए 60 लाख रुपये कैश, ज्वेलरी और प्रॉपर्टी दस्तावेज लेकर टोयोटा फॉर्च्यूनर कार लेकर बदमाश घर से भाग निकले थे। इस वारदात की गुत्थी को सुलझाते हुए कोतवाली 58 पुलिस ने बिहार के गैंग के 4 बदमाशों को गिरफ्तारी किया है। दिल्ली काईम ब्रांच गैंग के दो सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, इन बदमाशों के कब्जे से लूटे गये 10 लाख 70 हजार रुपये बरामद हो चुके हैं।डीसीपी नोएडा राम बदन सिंह ने बताया कि नोएडा पुलिस ने कारोबारी के घर डकैती डालने वाले रमन कामत को बिहार के मधुबनी और अमित कुमार रावत, देवेन्द्र कुमार उर्फ राहुल, गुडडू कुमार कामत को सैक्टर-62, नोएडा से गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने बताया कि ये पूरा का पूरा गैंग बिहार का है। इसमें एक रमन कामत बिहार से पकड़ा गया है, उसे ट्रांजिट डिमांड में लाया गया है और अभी हम इन लोगों को कस्टडी पुलिस रिमांड में लेंगे और जो बाकी की ज्वेलरी है और पैसा है उसे बरामद करेंगे।डीसीपी ने बताया कि इस गैंग के बदमाश पूरे तरह से ह्यूमन साइकोलॉजी को समझते थे, कि जो लोग बड़े हैं उनकी नौकरों पर डिपेंडेंसी बहुत ज्यादा है। नौकरों को रखने के लिए ये अपना नंबर जैसे गार्ड को, एजेंसीज को दे देते हैं। काम मिलने के बाद गैंग फेक आई कार्ड और आधार कार्ड देकर एक सदस्य को कुक बनाकर और फिर इस घर में कितना माल इसका आंकलन कर अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देता है। डीसीपी ने बताया कि अब तक की पूछताछ में पता चला है कि इस घटना की योजना गैंग द्वारा 05 माह पूर्व बिहार मधुबनी में बनायी गयी थी, योजना के लिए सबसे पहले मोबाईल सिम किसी अन्य के नाम एक्टिवेट सिम खरीदे गये।

लूट का धन आपस में बांटा, गाड़ी भी ले गए

सेक्टर-61, नोएडा के रहने वाले राकेश को एक कुक की आवश्यकता थी और राकेश द्वारा अखिलेश का विश्वास कर राहुल को काम पर रख लिया गया। फिर योजना के अनुसार यह सभी लोग शाम के समय जब घर पर कोई नहीं था केवल राकेश की पत्नी सुमन घर पर थी तो राहुल (देवेन्द्र) ने अपने साथियों को बुलाया, इनके साथियों में से गुहड्डू व राजेश घर के अन्दर गये तथा सोनू जो ड्राईवरी का काम करता है घर के बाहर खड़ा था तथा दो लोग अमित व रमन गली में रैकी कर रहे थे, घर में घुसे राहुल (देवेन्द्र), गुड्डू व राजेश द्वारा सुमन को बंधकर बनाकर घर में रखे लगभग 53 लाख रुपये व ज्वेलरी लूट लिये तथा घर से फार्च्यूनर की चाबी लेकर गाड़ी में बैठकर ये लोग फरार हो गये। इन लोगों द्वारा गाड़ी साई मन्दिर पर छोड़ी गयी इसके बाद यह लोग आटों से चिराग दिल्ली पहुंचे। प्रत्येक ने आपस में साढ़े 08-08 लाख रुपये बांट लिये, इसके बाद दो लोगों को छोड़कर बिहार चले गये।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज जेबीएम ग्लोबल स्कूल नोएडा के ऑडिटोरियम में well being first Journey पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम संपन्न

आज का मुद्दा

गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में एवं इंडिपेंडेंस सेल्फ फाइनेंसड स्कूल्स एसोसिएशन के तत्वाधान में आज जेबीएम ग्लोबल स्कूल नोएडा के ऑडिटोरियम में जिला अधिकारी की पत्नी डॉक्टर अंकिता राज द्वारा लिखी गई well being first Journey किताबों का भव्य विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में इंडिपेंडेंस सेल्फ फाइनेंसड स्कूल्स एसोसिएशन के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स, सीईओ, संबंधित अधिकारीगण एवं जेबीएम ग्लोबल स्कूल नोएडा के संबंधित स्टाफ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जिलाधिकारी एवं जिलाधिकारी की पत्नी डॉक्टर अंकिता राज द्वारा दीप प्रज्वलित कर well being first Journey पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा बच्चों की सकारात्मक सोच, कैरियर निर्माण, मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और आवश्यक कौशल आदि सभी महत्वपूर्ण पहलू के संबंध में विस्तार से बताया गया एवं बच्चों के जीवन को सफल और संतुष्ट बनाने में well being first Journey पुस्तक के सभी पहलुओं पर उपस्थित इंडिपेंडेंस सेल्फ फाइनेंसड स्कूल्स एसोसिएशन के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स, सीईओ, संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की गयी।

सकारात्मक सोच

सकारात्मक सोच हमारे बच्चों के जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाने में मदद करती है। यह बच्चों को चुनौतियों का सामना करने और उन्हें अवसरों में बदलने में मदद करती है। सकारात्मक सोच के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं:

- आशावादी दृष्टिकोण
- आत्मविश्वास
- चुनौतियों का सामना करने की क्षमता
- समस्या-समाधान कौशल

कैरियर निर्माण

कैरियर निर्माण बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह लक्ष्यों को प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने में बच्चों की मदद करता है। कैरियर निर्माण के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं:

- अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना
- अपने कौशलों को विकसित करना
- अपने नेटवर्क को बढ़ाना
- अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया प्राप्त करना

मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक स्वास्थ्य हमारे बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह बच्चों को अपने विचार, भावनाओं और व्यवहारों को नियंत्रित करने में मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं:

- तनाव प्रबंधन
- आत्म-देखभाल
- स्वस्थ संबंध बनाना
- मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करना

शिक्षा

शिक्षा बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह लक्ष्यों को प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं:

- अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना
- अपने कौशलों को विकसित करना
- अपने ज्ञान को बढ़ाना
- अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया प्राप्त करना

मारीपत- चिपियाना रेलवे स्टेशन के मध्य फाटक संख्या 151/बी, 02 से 05 मार्च 2025 तक मरम्मत कार्य होने के कारण रहेगा बंद

आज का मुद्दा-गौतमबुद्धनगर : उत्तर मध्य रेलवे दादरी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मारीपत-चिपियाना रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित फाटक संख्या 151/बी पर बीसीएम मशीनों द्वारा कार्य किए जाने हैं, जो रेल की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है। इस कार्य के फलस्वरुप 02 मार्च 2025 की सुबह 8:00 बजे से 05 मार्च 2025 की शाम 06:00 बजे तक बंद रहेगा। इस संबंध में उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान किया है कि इस मार्ग से जाने वाले नागरिक फाटक संख्या 151/भी बंद होने की अवधि के दौरान फाटक संख्या 150/सी अच्छेजा का उपयोग कर सकते हैं।

फर्जी दस्तावेज से जमानत कराने के मामले में दो धरे

आज का मुद्दा-नोएडा। फर्जी दस्तावेज के आधार पर किशोरी को बालिग दिखाकर जमानत दिलवाने के मामले में फेज दो थाने की पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों पर सेंट्रल नोएडा पुलिस ने दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। न्यायालय में पेश करने के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अनिल पाल और लालू उर्फ राजपाल के रूप में हुई। अनिल और लालू ने पोक्सो ऐक्ट के आरोपी अनुज की जमानत के लिए किशोरी के फर्जी दस्तावेज बनाए और उसे बालिग दिखा दिया। दोनों ने इन्हीं फर्जी दस्तावेज से आरोपी को जमानत दिलवाई थी। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों ने किशोरी को दोबारा परेशान करना शुरू कर दिया और अगवा कर लिया था। इसके बाद नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने इन दोनों आरोपियों पर दस दस हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इस मामले में कोतवाली फेस दो में पहले से मुकदमा दर्ज था। कई दिनों से पुलिस दोनों की तलाश कर रही थी।

प्रयागराज महाकुंभ गंगा स्नान के लिए गए परिवार के घर का ताला तोड़कर चोरी

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर गामा दो में एक मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। घटना के समय पीड़ित परिवार प्रयागराज महाकुंभ गंगा स्नान के लिए गया हुआ था। परिवार के लोग वापस लौटे तो चोरी की घटना के बारे में पता चला। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर गामा दो में अखिल वशिष्ठ परिवार के साथ रहते हैं। अखिल ने पुलिस को बताया कि वह 20 फरवरी को प्रयागराज महाकुंभ गंगा स्नान के लिए गए थे। इसी बीच चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर सोने व चांदी के जेवरात और नगदी चोरी कर ली। परिवार के लोग वापस घर लौटे तो चोरी की घटना के बारे में पता चला। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। बीटा दो कोतवाली पुलिस का कहना है कि चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

रोडरेज की घटना के बाद एक-दूसरे के वाहनों में तोड़फोड़

आज का मुद्दा-नोएडा। रोडरेज की घटना के बाद एक-दूसरे के वाहन में तोड़फोड़ हो गई। तीन लड़कियों को लेकर जा रहे टैक्सी चालक का शुक्रवार रात एक कार चालक से भूटानी मॉल के निकट विवाद हो गया। विवाद का वीडियो हरकत में आने के बाद थाना सेक्टर-24 दोनों पक्षों को थाने लेकर पहुंची। जहां दोनों पक्ष समझौता करके अपने-अपने घर चले गए। शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया। एक मिनट के वीडियो में दिख रहा है कि तीन युवतियां कैब के पास खड़ी हैं। वह कुछ युवकों के अभद्र व्यवहार का विरोध कर रही हैं। चालक की खिड़की पर लगा कैब का शीशा भी टूटा हुआ दिखाई दे रहा है। जमीन पर शीशा भी पड़ा हुआ है। आसपास से वाहन गुजर रहे हैं। वीडियो भूटानी मॉल के पास का बताया जा रहा है। कैब में बैठकर जा रही युवती सड़क पर खड़ी नजर आ रही है। वह कहती है कि भैया इस तरह से रीएक्ट मत करो, ये कोई तरीका नहीं है तुम्हारा। ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि कैब और दूसरी कार की टक्कर हो गई थी। दूसरी कार के चालक ने पीछा करके कैब चालक को भूटानी मॉल के पास रोक लिया। उसका कहना है कि टक्कर से उसकी कार में नुकसान हुआ है। यह बात बताने पर कार चालक की कैब चालक से कहासुनी हो गई। युवतियों ने आरोप लगाया कि आरोपी कार चालक ने टैक्सी का शीशा तोड़ दिया। इसको लेकर विवाद बढ़ गया। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि दोनों पक्षों ने किसी के खिलाफ शिकायत देने से इन्कार कर दिया। दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया और अपने-अपने घर रवाना हो गए।

सोसाइटी में घुसने से रोकने पर सुरक्षाकर्मी को पीटा

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर-62 स्थित गेल अपार्टमेंट में ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षाकर्मी (गार्ड) को अंजान व्यक्ति को रोकना भारी पड़ गया। आरोपी ने गार्ड के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद के गोविंदपुरम निवासी उदित चिकारा ने पुलिस को बताया कि वह 26 फरवरी को सेक्टर-62 स्थित गेल अपार्टमेंट में ड्यूटी पर तैनात थे। सुबह लगभग साढ़े नौ बजे एक आगंतुक फ्लैट का सही पता नहीं बता पा रहा था। वह गलत तरीके से सोसाइटी में घुसने का प्रयास कर रहा था। उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह गाली-गलौज करने लगा। उसने फ्लैट नंबर-48 में रहने वाले श्रीकांत मिश्रा को मौके पर बुला लिया। उन्हें बताया कि आरोपी गलत तरीके से फ्लैट में घुसने का प्रयास कर रहा था। उसने रोका तो गाली-गलौज और मारपीट की। आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देकर चला गया। यह पूरी घटना सोसाइटी के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

लॉ कॉलेज के सहायक प्रोफेसर ने दर्ज कराया मुकदमा

आज का मुद्दा-नोएडा। एक लॉ कॉलेज में पढ़ने वाले सहायक प्रोफेसर ने थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज करवाया है कि अनुसूचित जाति होने की वजह से उसे बार-बार अपमानित किया जाता है। उसका वेतन रोक लिया गया। प्रोफेसर ने राष्ट्रीय अनुसूचित व जनजाति आयोग में अपनी शिकायत की थी। उसके बाद थाना दनकौर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सहायक प्रोफेसर मनीष कुमार ने थाना दनकौर में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह बिलासपुर स्थित रामकली कॉलेज ऑफ लॉ में असिस्टेंट प्रोफेसर है। पीड़ित के अनुसार कॉलेज के मालिक मनोज भारद्वाज ने वर्ष 2018 में शोभित पुत्र संजीव अग्रवाल को विश्वविद्यालय और बार काउंसिल आफ इंडिया के नियमों का उल्लंघन करके अवैध तरीके से एडमिशन दिया था। जिसके संबंध में शोभित अग्रवाल ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कॉलेज के विरुद्ध एक रिट दाखिल की थी। पीडित के अनुसार इस रिट की पैरवी के लिए उसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजा जाता था। तीन बार वह गया लेकिन चैथी बार जब प्रयागराज जाने से इनकार कर दिया तो कॉलेज के मालिक मनोज भारद्वाज ने उनका वेतन रोक दिया। उसे गाली दी और जाति सूचक शब्द कहा। पीड़ित के अनुसार एक दिन मनोज भारद्वाज ने उसकी जाति पूछी। जब उन्होंने बताया कि वह अनुसूचित जाति से है तब से वह उन्हें बार-बार जाति सूचक शब्द कहकर अपमानित करता है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।